CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-89
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार, 04 जून 2024

आज का विचार

समय से पूर्व की परिपक्वता अच्छी नहीं होती, चाहे वह किसी वृक्ष की हो या व्यक्ति की और उसकी हानि आगे चल कर भुगतनी ही होती है।

भोले बाबा के मैनपुरी आश्रम समेत 8 ठिकानों पर पुलिस की दबिश

हाथरस सत्संग में मची भगदड़ में अब तक 123 की मौत

उत्तर प्रदेश पुलिस ने हाथरस सत्संग में हुए भीषण हादसे को लेकर छापेमारी शुरू कर दी है। बुधवार देर रात से पुलिस की टीम भोले बाबा और उनके सेवादारों की तलाश में छापेमारी कर रही है। फिलहाल, सत्संगी भोले बाबा कहां है, इसकी कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिली है। गुरुवार सुबह तक पुलिस ने बाबा के मैनपुरी जिले में स्थित राम कुटीर चैरिटेबल ट्रस्ट (आश्रम), कानपुर, हाथरस समेत ग्वालियर 8 ठिकानों पर दबिश डाली। हाथरस में सत्संग में मची भगदड़ और अव्यवस्थाओं के चलते अब तक 123 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 113 महिलाएं, 7 बच्चे और 3 पुरुष शामिल हैं। हाथरस में भगदड़ के 24 घंटे बाद बुधवार रात भोले बाबा का पहला बयान आया है। हालांकि, बाबा सामने नहीं आया। उसने सुप्रीम कोर्ट के वकील एपी सिंह के जरिए लिखित बयान जारी किया। जिसमें भोले बाबा ने कहा कि मैं पहले ही सत्संग स्थल से चला गया था। जिसके बाद वहां मौजूद कुछ अराजक तत्वों ने दगभड़ मचाई। उन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करूंगा। इस हादसे के पीछे भोले बाबा ने आयोजकों को जिम्मेदार बताया है। साथ ही घायलों के स्वस्थ होने की कामना की है।

हाथरस हादसे के किसी दोषी को नहीं बख्शेंगे: सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस के जिला अस्पताल में भर्ती घायलों और पीड़ितों का हाल जानने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- सत्संग के प्रवचनकर्ता जब निकल रहे थे, तब श्रद्धालुओं की भीड़ उन्हें छूने के लिए जा रही थी। इसी दौरान हादसा हुआ। यूपी के मुख्य सचिव और डीजीपी हाथरस में कैंप किए हुए हैं। ये हादसा है या साजिश इसकी पूरी तह तक जाएंगे। किसी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

सीएम योगी ने बताया कि हाथरस हादसे की जांच के लिए एक एसआईटी गठित की जा रही है। भगदड़ की घटना की न्यायिक जांच भी की जाएगी। हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की देखरेख में एसआईटी पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच करेगी। साथ ही ऐसे आयोजनों के लिए एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर तैयार की जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूपी पुलिस ने सत्संग के आयोजक और मुख्य सेवादार देवप्रकाश मधुकर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 105, 110, 126(2), 223 और 238 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। हालांकि, इसमें बाबा का नाम नहीं है। उधर, भोले बाबा के मैनपुरी में छिपे होने की जानकारी सामने आ रही है। पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है। दूसरी ओर, आरोप है कि आयोजकों ने भगदड़ में मारे गए लोगों के सामान खेतों में छिपाए गए, ताकि हादसे की भयावहता पर पर्दा डाला जा सके। भोले बाबा एटा जिले की पटयाली तहसील के बहादुर नगरी गांव का रहने वाला है। 26 साल पहले सरकारी नौकरी छोड़कर प्रवचन शुरू किया था। उसका असली नाम नारायण साकार हरि है। एक प्रवचन में बताया था कि वह गुप्तचर ब्यूरो में पदस्थ थे। बाबा के ज्यादातर अनुयायी पश्चिम यूपी, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और उत्तराखंड में हैं।

टीम इंडिया से पीएम मोदी की मुलाकात

टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया गुरुवार सुबह भारत लौट आई। रोहित शर्मा एंड कंपनी के साथ ही टीम के सपोर्ट स्टाफ और कुछ मीडियाकर्मियों को लेकर आई एयर इंडिया की स्पेशल फ्लाइट ने सुबह 6.15 बजे नई दिल्ली में लैंड किया। इसके बाद एक-एक कर खिलाड़ी एयरपोर्ट से बाहर निकले और बस में सवार हुए। टीम यहां से आईटीसी मौर्या होटल गई। पूरे रास्ते फैन्स का हुजूम रहा। क्रिकेट प्रेमी वर्ल्ड चैंपियन्स का दीदार करने और स्वागत करने के लिए बेताब नजर आए।

पीएम मोदी से मुलाकात

खिलाड़ी कुछ देर होटल में रुके। यहां से पीएम आवास के लिए रवाना होने से पहले खिलाड़ियों ने स्पेशल केक काटा। यह केक टीम इंडिया की जीत की खुशी में बनाया गया था। विराट कोहली भी केक काटते नजर आए। यहां से खिलाड़ी स्पेशल बस में सवार होकर पीएम आवास के लिए रवाना हुए। अभी पीएम मोदी के साथ मुलाकात जारी है।बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला के अनुसार, भारतीय टीम सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके घर पर मुलाकात करेगी। इसके बाद टीम मुंबई रवाना होगी। मुंबई में वानखेड़े स्टेडियम में टीम का स्वागत होगा। यहां से खिलाड़ी खुली बस में सवार होकर नरीमन पॉइंट तक आएंगे। यहां भी खिलाड़ियों का स्वागत और सम्मान होगा। बीसीसीआई ने विश्व विजेता खिलाड़ियों को 125 करोड़ रुपए के इनाम की घोषणा की है। इसी सम्मान समारोह में खिलाड़ियों को यह राशि प्रदान की जाएगी।

मप्र का 2024-25 का बजट: कांग्रेस के हंगामे के बीच वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने पेश किया,नए टैक्स नहीं होने से जनता को राहत, पेट्रोल-डीजल पर कोई राहत नहीं

मप्र की मोहन सरकार का पहला बजट...

मध्यप्रदेश के उप-मुख्यमंत्री और वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को विधानसभा में वर्ष 2024-25 के लिए बजट पेश किया। 3.65 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया है, जो पिछले साल के मुकाबले 16 प्रतिशत अधिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के बाद भी पेट्रोल-डीजल पर कोई अतिरिक्त राहत नहीं दी गई है। अब भी देश में सबसे महंगा पेट्रोल और डीजल मध्यप्रदेश में ही बिकता रहेगा। राज्य सरकार ने महिलाओं, बच्चों और किसानों के लिए तो खजाना खोला, लेकिन कोई नया टैक्स नहीं लगाया है।

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव सरकार ने अपना पहला बजट मध्यप्रदेश विधानसभा में बुधवार को पेश किया। मप्र के वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने कथित नर्सिंग कॉलेज घोटाले के मुद्दे को लेकर विपक्षी कांग्रेस के हंगामे के बीच 2024-25 के लिए बजट पेश किया। मुख्यमंत्री मोहन यादव सरकार ने 3.75 लाख करोड़ का बजट सदन में पेश किया है। सरकार के पहले पूर्ण बजट में आम लोगों को राहत देते हुए उनके पर किसी भी प्रकार का कोई टैक्स का बोझ नहीं लगाया गया है।

सरकार की ओर से महिलाओं, किसानों , युवाओं, स्वास्थ्य, शिक्षा सेक्टर में विशेषतौर से फोकस किया गया है। इसी के साथ ही ऊर्जा सेक्टर पर भी मोहन यादव सरकार की प्राथमिकता रहेगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव के बजट में महिलाओं को लुभाने की पूरी कोशिश की गई है। किसानों की आय बढ़ाने के साथ ही खेती के लिए नई तकनीक के इस्तेमाल पर भी जोर दिया गया है। इसके अलावा, बजट में यादव सरकार ने बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने के साथ ही स्वरोजगार से जोड़ने पर भी फोकस किया है। देवड़ा ने 2024-25 के बजट में जो प्रमुख घोषणाएं की हैं, उनमें पीएम ई-बस योजनांतर्गत छह शहरों (इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन एवं सागर) में भारत सरकार की सहायता से 552 ई-बसों का संचालन करना शामिल है। इसके साथ ही सरकार ने पांच साल में वार्षिक बजट के आकार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। 2024-25 के लिए 3,65,067 करोड़ रुपये के व्यय का प्रावधान किया गया है, जो 2023-24 के 3,14,025 करोड़ रुपये के मुकाबले 16 प्रतिशत अधिक है।

बजट की खास बातें

- 3800 करोड़ की धनराशि केंद्र से अतिरिक्त मिलेगी, जिसे विकास की योजनाओं पर खर्च किया जाएगा।
- 22 नए आईटीआई खोलने की तैयारी है मध्यप्रदेश के कई जिलों में।
- 46000 पदों पर स्वास्थ्य विभाग में जल्द होगी भर्ती।
- 22 हजार 600 करोड़ रुपए का प्रावधान शिक्षा के लिए।
- 21 हजार 144 करोड़ रुपए लोगों की सेहत के सुधार के लिए।
- 4 हजार 725 करोड़ रुपए वन और पर्यावरण के लिए
- 11000 शिक्षकों की नियुक्तियां की जा रही हैं।
- 22 नवीन छात्रावास प्रारंभ किए जाएंगे।
- 87 लाख विद्यार्थियों को निशुल्क पाठ्पुस्तक और गणेश दिए जाएंगे।

किस क्षेत्र में कितना बढ़ा बजट

-कृषि क्षेत्र का बजट 15 प्रतिशत बढ़ा। स्वास्थ्य के साथ-साथ महिला एवं बाल विकास विभाग के बजट में 56 प्रतिशत की बढ़ोतरी।

-शिक्षा के बजट में चार प्रतिशत, एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों की योजनाओं के लिए 10 प्रतिशत, इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।

- नगरीय एवं ग्रामीण विकास के लिए 13 प्रतिशत, संस्कृति संवर्धन के लिए 35 प्रतिशत, रोजगार के लिए 39 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।

1320 मेगावाट बिजली उत्पादन बढ़ेगा

अमरकंटक एवं सतपुड़ा ताप विद्युत गृहों में 660-660 मेगावाट की नई विस्तार इकाइयों का निर्माण होगा। 603 सर्किट किमी पारेषण लाइनों एवं 2,908 मेगावाट क्षमता के अति उच्च दाब उपकेन्द्र के कार्य प्रस्तावित हैं।

प्रति व्यक्ति आय हुई 1.42 लाख रुपए

प्रति व्यक्ति आय 2023-24 में 1,42,565 रुपए रही, जो 2003-04 की 13,465 रुपये से लगभग 11 गुना हो गई है। नीति आयोग की जनवरी-2024 की रिपोर्ट के अनुसार 2013-14 से 2022-23 के बीच मध्य प्रदेश के 2.30 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। विधानसभा में पेश की गई आर्थिक सर्वेक्षण रिपोट में प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय में 10,055 रुपए की बढ़त हुई है। यह सालाना एक लाख 42 हजार 565 रुपये पर पहुंच गई है।

ई-विधायक योजना का क्रियान्वयन

विधायकों को ई-ऑफिस योजना अंतर्गत प्रति विधायक 500000 रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे। ई-विधान, ई-कैबिनेट, ई-विधायक ऑफिस बनाने की कार्य योजना का क्रियान्वयन जल्द किया जाएगा। सहकारी संस्थाओं के कंप्यूटरीकरण के लिए 32 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। वन एवं पर्यावरण के लिए 4725 करोड रुपए का प्रावधान रखा है।

7500 पुलिसकर्मियों की भर्ती अंतिम चरण में है

पुलिस आवास के लिए 367 करोड रुपए का प्रावधान किया गया है। 7500 पुलिसकर्मियों की भर्ती अंतिम चरण में है। गृह विभाग के लिए 11292 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान रखा गया है। जो गरीब कैदी अर्थ दंड नहीं भरने के कारण जेल में सजा काट रहे हैं, उनकी रिहाई के लिए सरकार जुमार्ना भरेगी। इस वर्ष से गरीब कैदियों को वित्तीय सहायता देने की नई योजना प्रारंभ होगी। संबल योजना के लिए 600 करोड रुपए का प्रविधान रखा है।

सरकारी कर्मचारियों को फायदा

शासकीय सेवकों के सातवें वेतनमान के परिपेक्ष में पुनरीक्षण के लिए समिति का प्रतिवेदन मिल गया है। इस पर जल्द निर्णय लिया जाएगा। शासकीय सेवकों के सामान्य भविष्य नीति के अंतिम भुगतान प्राधिकार पत्र जारी करने की ऑनलाइन व्यवस्था विकसित की जा रही है।

तीर्थ दर्शन योजना के लिए 50 करोड़ रुपए

वित्तमंत्री ने बजट भाषण में कहा कि 50 करोड़ रुपये तीर्थ दर्शन योजना के लिए दिए जाएंगे। 4725 करोड़ रुपये का प्रावधान वन और पर्यावरण के लिए किया गया है।

प्रदेशवासियों की सेहत का ख्याल.....

2 साल में आठ और मेडिकल कॉलेज खोलने का प्रयास

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए 40000 पद निर्मित किए गए हैं। वर्ष 2024 25 में मंदसौर नीमच और सिवनी में मेडिकल कॉलेज संचालित होंगे। इसके बाद आगामी 2 वर्षों में 8 और मेडिकल कॉलेज संचालित करने का सरकार प्रयास करेगी। कॉलेज के संचालन से स्नातक स्तर पर 3605 और स्नातकोत्तर स्तर पर 1560 सीटों की वृद्धि होगी। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत चार करोड़ एक लाख सदस्यों के कार्ड बनाए जा चुके हैं। इस योजना के लिए 1381 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 45% अधिक है। गंभीर रोगियों को आपात स्थिति में उपचार उपलब्ध कराने के लिए पीएम श्री एयर एंबुलेंस सेवा प्रारंभ की गई है। वहीं मध्य प्रदेश शांति वाहन सेवा की शुरुआत भी की गई है। 800 आयुष आरोग्य मंदिर का संचालन भी प्रारंभ किया गया है। बालाघाट, शहडोल, सागर, नर्मदापुरम और मुरैना में आयुर्वेद कॉलेज प्रारंभ किए जाएंगे। बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 21 हजार 444 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, जो पिछले साल की तुलना में 34% अधिक है।

शेष 05 पर...

सिंगल कॉलम

कार की टक्कर से 20 फीट दूर जा गिरी बाइक, व्यापारी की मौत

इंदौर। तेज रफ्तार कार ने बाइक को ऐसी टक्कर मारी कि 20 फीट दूर जाकर गिरी। बाइक सवार एक स्क्रैप व्यवसायी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यवसायी वेंटिलेटर पर है। घटना के बाद कार चालक फरार हो गया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। कार की पहचान कर ली गई है। घटना बाणगंगा थाना अंतर्गत सांवेर रोड टोल नाका के पास की है। कृष्णबाग कालोनी निवासी मोहम्मद इमरान साथी मोहम्मद असद निवासी अहमद नगर और एक अन्य इमरान के साथ उज्जैन गया था। तीनों स्क्रैप का व्यवसाय करते हैं। बाइक से लौटते समय तीनों टोलनाका के पास पेट्रोल पंप के सामने सिगरेट पीने रुक गए। मोहम्मद इमरान और मोहम्मद असद बाइक पर ही बैठे थे। इमरान थोड़ी दूर खड़ा था। अचानक उज्जैन की तरफ से तेज रफ्तार में कार (एमपी 09 डब्ल्यूएल 7169) आई और बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक 20 फीट दूर जाकर गिरी। मोहम्मद इमरान और असद बेहोश हो गए। रिश्तेदार सलीम तेली के मुताबिक दोनों को गंभीर अवस्था में अरबिंदो अस्पताल ले गए लेकिन डाक्टर ने मोहम्मद इमरान को देखते ही मृत घोषित कर दिया। मोहम्मद असद की हालत गंभीर है। उसका निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। जानकारी के मुताबिक कार बहुत तेज रफ्तार में थी। जैसे ही उसने खड़ी हुई बाइक को टक्कर मारी दोनों दूर गिर गए। इसके बाद वहां हड़कंप मच गया। आस-पास के लोग दौड़े और घायलों को उठाकर अस्पताल ले गए। इसमें से एक पूरी तरह से बेहोश हो गया था। घटना में उसकी मौत हो गई थी। पुलिस इस पूरी मामले की जांच कर रही है।

पेड़ से गिरा 10 साल का बच्चा, अस्पताल में तोड़ा दम

इंदौर। इंदौर के काली बिल्लोद में 10 साल के बच्चे की बादाम के पेड़ से गिरने से मौत हो गई। वह यहां पर अपने दोस्त के साथ बादाम तोड़ रहा था। इसी दौरान हादसे का शिकायत हो गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। पुलिस के मुताबिक घटना धार रोड स्थित काली बिल्लोद की है। यहां रहने वाला 10 वर्षीय यश पुत्र मोहन को उसकी मां ललिता सोमवार शाम एमवाय अस्पताल लेकर पहुंची। मां ने बताया कि वह घर से कुछ दूरी पर कॉलोनी में बादाम तोड़ने दोस्त आयुष के साथ गया था। यहां पेड़ पर चढ़कर वह बादाम तोड़ रहा था। इस दौरान उसका संतुलन बिगड़ा और वह नीचे गिर गया। उसे आयुष ने उठाया तो यश ने जवाब नहीं दिया। इसके बाद दौड़कर घर पहुंचा और परिवार को जानकारी दी। एम्बुलेंस से उसे अस्पताल भेजा गया। यहां पर मंगलवार को उसकी मौत हो गई। यश अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी दो बड़ी बहनें है। पिता पीथमपुर में सरिए की फैक्ट्री में काम करते हैं।

सांसद शंकर लालवानी ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से की मुलाकात

इंदौर। सांसद शंकर लालवानी ने राजमार्ग परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर इंदौर एवं आसपास चल रही विभिन्न योजनाओं के काम में तेजी लाने का अनुरोध किया। इंदौर से खंडवा और इच्छापुर, इंदौर से हरदा बैतूल होते हुए नागपुर, इंदौर-उज्जैन-झालावाड़, इंदौर-मुंबई मार्ग पर गणेश घाट में बन रही अतिरिक्त सड़क, बेटमा में बन रहे लॉजिस्टिक पार्क पर चर्चा की। साथ ही, आउटर रिंग रोड एवं बेस्ट प्राइस के पास बन रहे 3 लेयर ओवरब्रिज के बारे में विस्तार से बात हुई। नितिन गडकरी ने बैठक में मौजूद अफसरों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। शंकर लालवानी ने बताया कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अधिकारियों को इंदौर के काम जल्द पूरे करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, इंदौर में बन रहे आउटर रिंग रोड के पश्चिमी हिस्से के टेंडर हो गए हैं और पूर्वी हिस्से के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर मिलकर फैसला करेंगे। साथ ही सड़क एवं राजमार्ग परिवहन मंत्रालय के राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा जल्द ही इंदौर आकर प्रोजेक्ट्स की समीक्षा करेंगे।

हिन्दू जागरण मंच ने राहुल गांधी का पुतला दफनाया

इंदौर। संसद के लोकसभा सत्र में हिन्दुओं को हिंसक कहे जाने पर देशभर में राहुल गांधी के पुतले जलाए जा रहे है। इंदौर में अनोखा प्रदर्शन हुआ है जहां अर्थी के साथ राहुल गांधी का पुतला दफनाया गया। पुतला दफनाने की चेतावनी के बाद हिन्दू जागरण मंच और पुलिस के बिच खिंचतान हुई। मंच के तमाम कार्यकर्ताओं के साथ हिन्दु जागरण मंच के जिला संयोजक सुमित हार्डिया ने पुतला दफनाया। बुधवार अलसुबह से कब्रिस्तान के आसपास भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। साथ ही कब्रस्तान के गेट पर ताला भी लगाव दिया गया था।

यहां हिन्दूवादियों और पुलिस के बिच जमकर खिंचतान मची रही। जहां हिन्दूवादियों को पुलिस ने कब्रिस्तान जाने से रोका जिसके बाद राहुल गांधी के पुतले को रेलवे ब्रिज के निचे ही हिन्दूवादियों ने दफना दिया।

पांच बच्चों की मौत के मामले में युग पुरुष आश्रम प्रबंधन की लापरवाही आई सामने

आश्रम ने छुपाई बच्चों की मौत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के आश्रम में पांच बच्चों की मौत के मामले में पंचकुईया रोड स्थित युग पुरुष आश्रम प्रबंधन के द्वारा बड़ी लापरवाही सामने आई है। मानसिक दिव्यांग युग पुरुष धाम में 30 जून को पहले बच्चे की मौत हुई। संस्था ने मान लिया कि मिर्गी के दौरे की वजह से बच्चे की जान गई है। इसके बाद 24 घंटे में एक के बाद एक दो मौतें हो गईं। इन दोनों बच्चों की मौत पर भी आश्रम बहुत सारी जानकारियां छुपाता रहा। मौत की जानकारी छिपाने का खामियाजा यह निकला कि 48 घंटे के अंदर ही दो और बच्चों की जान चली गई। कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा है कि अगर संस्था पहले बच्चे की मौत के बाद ही जानकारी दे देती तो इतने गंभीर हालात नहीं बनते। कलेक्टर ने जांच के लिए टीम बनाई है। इसमें अधिकारियों के साथ डाक्टरों को भी शामिल किया गया है।

बच्चों को स्वस्थ बताया, एक एक करके जान जाती रही

आश्रम संचालकों की लापरवाही यहीं पर नहीं रुकी। 2 जुलाई मंगलवार को सुबह जब मामले की जानकारी मिली तो आश्रम संचालक बच्चों को स्वस्थ बताते रहे। जांच के लिए पहुंचे सरकारी अधिकारी भी आश्रम में हंसी ठिठौली करते रहे। संचालिका अनिता शर्मा और एसडीएम बड़कुल के हंसी मजाक करते हुए कई फोटो और वीडियो भी वायरल हुए। इसके बाद मंगलवार शाम तक एक एक करके पांच बच्चों ने दम तोड़ दिया। 34 बच्चों का अस्पताल में इलाज जारी है। चाचा नेहरू अस्पताल के डॉक्टर का कहना है कि सभी बच्चों की हालत ठीक है।

इन पांच बच्चों की मौत हुई है

शुभम उर्फ करण, आकाश, शुभ, रानी हिमानी और छोटा गोविंद। रविवार को शुभम उर्फ करण ने दम तोड़ा, उसे फिट की बीमारी थी। सोमवार देर रात आकाश और मंगलवार सुबह शुभ की मौत हो गई। इन सभी की उम्र 5 से 13 साल के बीच है। यह भी जानकारी मिली है कि आश्रम में केयर टेकर और नर्स की संख्या भी बच्चों के हिसाब से कम है। बीमार बच्चों को एंबुलेंस तक ले जाने के लिए भी अन्य दिव्यांग बच्चों का ही सहारा लेना पड़ा।

आश्रम में क्षमता से अधिक बच्चे

आश्रम में मौजूद करीब सवा 200 बच्चों में से सिर्फ 23 बच्चों के परिजन की जानकारी संस्था के पास है। यहां क्षमता से अधिक बच्चों को रखा गया है। प्रशासन ने भी इस पर स्वीकृति की जानकारी निकालने की बात कही। आश्रम संचालिका डॉ. अनिता शर्मा ने बताया कि यहां 100 बालक और 100 बालिकाओं को रखने की व्यवस्था है, लेकिन आश्रम के अटेंडेंस बोर्ड में 94 बालक और 112 बालिका यानी 206 बच्चों की उपस्थिति बताई गई।

आश्रम के डॉक्टर भी संदेह के घेरे में

आश्रम के लिए मानसिक दिव्यांग के डॉक्टर रखे गए हैं। वहीं, अब उनकी भूमिका संदेहास्पद हो गई है। ऐसे में प्रशासन ने अगले 15 से 30 घंटे के लिए प्लान इ बनाया है। सरकार ने अधिकृत डॉक्टर को नियुक्त किया है, जो आश्रम के हर बच्चे को जांचेंगे और परखेंगे। दिव्यांग बच्चा कुछ जता पाए या नहीं। मामूली संदेह होने पर डॉक्टर की जिम्मेदारी होगी कि उसे तुरंत ऑब्जर्वेशन में भिजवाए।

दान से बना अस्पताल, सरकार भेजती थी बच्चे

पंचकुईया रोड पर परमानंद हॉस्पिटल परिसर में ही छोटी बिल्डिंग में युग पुरुष आश्रम का संचालन होता है। नजदीकी लोगों के मुताबिक कुछ साल पहले यह जमीन किसी महिला ने दान में दी थी। इसके बाद परमानंद गिरी महाराज द्वारा यहां हॉस्पिटल खोलने के लिए जिम्मेदारी तुलसी शादीजा (इंदौर) को दी। 2002 में यहां परमानंद हॉस्पिटल शुरू किया। परिसर में लगे पोस्टर में अध्यक्ष पवन ठाकुर और संचालक जीडी नागर का फोटो है। जीडी नागर से बात की तो उन्होंने बताया कि सेहत ठीक नहीं होने से मैंने डेढ़ साल पहले से ही हॉस्पिटल जाना बंद कर दिया है। युग पुरुष संस्था की अध्यक्ष अनिता शर्मा और सचिव तुलसी शादीजा है। संस्था द्वारा यहां 2006 से संचालन किया जा रहा है। संस्था को सरकार से अनुदान भी मिलता है। शादीजा और उनके परिवार के लोग अस्पताल का संचालन करते है। घटना को लेकर युग पुरुष के सचिव तुलसी शादीजा का कहना है कि मुझे कोई जानकारी नहीं है। बेहतर है कि आप अध्यक्ष अनीता शर्मा से बात करें। सरकार को महिला बाल विकास और बाल कल्याण समिति की तरफ से जो बच्चे दिए जाते थे उन्हें भी संस्था ही रखती थी। इसमें अधिकतर वे बच्चे हैं जो अनाथ हैं या जिनके माता पिता ने उन्हें छोड़ दिया है।

इंदौर संभाग के जिलों में अलर्ट

इंदौर में युग पुरूष धाम आश्रम में हुई बच्चों की मौत के बाद सभी जगह जांच के निर्देश संभागायुक्त ने दिए हैं। आश्रम-हॉस्टल आदि की लिस्टिंग कर एक समिति बनाने के लिए भी कहा है। यहां मिलने वाले खाने की गुणवत्ता को लेकर भी जांच के निर्देश दिए हैं। संभागायुक्त दीपक सिंह ने संभाग के सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए है कि जिले में संचालित समस्त शासकीय और अशासकीय हॉस्टल्स/छात्रावास/आश्रम/वृद्धाश्रम की सूची बनाकर एक समिति संबंधित अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व की अध्यक्षता में गठित की जाए। जिसमें कार्यपालिक दण्डाधिकारी/स्वास्थ्य विभाग/नगरीय निकाय विभाग/खाद्य विभाग/लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारीगण सम्मिलित रहें। संभागायुक्त दीपक सिंह द्वारा निर्देश दिए है कि स्थल पर शुद्ध पेयजल की उपलब्धता और उसकी जांच की रिपोर्ट और जल स्त्रोत स्थल की जांच करें। संस्थाओं में दिए जाने वाले भोजन की कच्ची सामग्री के संग्रहण और भोजन बनाने के बाद उसकी गुणवत्ता की जांच करें। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संस्था में निवासरतों का स्वास्थ्य परीक्षण और आवश्यकता होने पर उपचार प्रदान किया जाए। नगरीय निकाय द्वारा सभी संस्था और निवासरत स्थल के आसपास के वातावरण की साफ सफाई और आवश्यक कीटनाशकों का छिड़काव, बीमारी की रोकथाम के उपाय किए जाए। सभी कार्रवाई 3 दिवस में करना सुनिश्चित करें।

किचन और पेयजल स्त्रोत की जांच के लिए चलेगा अभियान

इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने हॉस्टल, छात्रावासों, आश्रमों तथा कोचिंग संस्थानों सहित ऐसे संस्थान जहां कॉमन किचन में अधिक संख्या में लोग खाना खाते हैं और जिनका पेयजल का स्त्रोत भी कॉमन है, वहां पर गुणवत्ता की जांच के निर्देश दिए हैं। जिले के सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्र में 7 दिन के भीतर यह जांच कर कलेक्टर को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। जांच दल में एसडीएम के अलावा नगरीय क्षेत्र में निगम के स्वास्थ्य अधिकारी, फूड सेफ्टी ऑफिसर और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी शामिल रहेंगे। हाल ही में फूड पॉइजनिंग और अन्य तरह के संक्रमण की कुछ घटनाओं को देखते हुए कलेक्टर आशीष ?सिंह द्वारा यह आदेश जारी किया गया है।

लगातार दूसरे दिन फूड पॉयजनिंग का मामला, 28 विद्यार्थी बीमार

इंदौर में लगातार दूसरे दिन फूड पॉयजनिंग का मामला सामने आया है। नवलखा क्षेत्र में फिजिकल एकेडमी की 28 से ज्यादा विद्यार्थी इसका शिकार हुए है। इनमें चार छात्राएं हैं। उल्टी और दस्त के कारण उन्हें कमजोरी आने लगी। इन्हें एमवाय अस्पताल में भर्ती किया गया है। मंगलवार को युग पुरुष शाम के पांच बच्चों की मौत हो गई है। मौत की वजह भी फूड पॉयजनिंग की बताई जा रही है। इन बच्चों को रात को खिचड़ी दी गई थी। नवलखा क्षेत्र में बीमार हुए स्टूडेंटों के नाम शिवा पिता अशोक शुक्ला, रिया कुमारी, पायल पिता राजू पटेल, सुहाना पिता अफसर अली खान और नेहा पिता रामशंकर है। खाने के बाद वे रात को सोने गए तो उन्हें उल्टियां होने लगी। इसके बाद दस्त भी होने लगे। एकेडमी के स्टॉफ ने पहले गोलियां दी। हालत नहीं सुधरी तो सुबह एमवाय अस्पताल में भर्ती कर दिया। डाक्टरों का कहना है कि उनकी हालत खतर से बाहर है और जल्दी ही उन्हें डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। फूड पॉयजिनिंग की जानकारी मिलने के बाद खाद्य विभाग के अफसरों ने भी इसकी पड़ताल शुरू की। वे यह पता लगा रहे है कि रात को उन्होंने क्या खाया। एकेडमी में अन्य स्टूडेंट भी रहते है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि दूसरे छात्र भी इसका शिकार तो नहीं हुए है। मेस के सेंपल लेने भी टीम पहुंची है। सेंपलों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा।

ब्लैकमेल करने वाले डायल-100 के तीन ड्राइवर गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में तिलकनगर पुलिस ने अवैध वसूली के आरोप में एफआरवी (डायल-100) के तीनों चालकों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों ने क्रिकेट खेलकर लौट रहे दो छात्रों को गांजा तस्करी में फंसाने की धमकी देकर रुपये वसूले थे। एक चालक तो खुद को अपराध शाखा का डीएसपी बता रहा था। डीसीपी जोन-2 अभिनय विश्वकर्मा के मुताबिक घटना स्कीम-140 क्षेत्र की है। मूसाखेड़ी विनय सिसौदिया और यश लोधी द्वारा शिकायत दर्ज करवाई थी। छात्रों ने बयानों में बताया कि दोनों क्रिकेट खेलकर घर जा रहे थे। बाइक में पेट्रोल खत्म होने पर बाइक को धक्का देकर ले जा रहे थे। तभी तिलकनगर थाना की एफआरवी गाड़ी आकर रुकी। गाड़ी में तीन लोग सादे वस्त्रों में बैठे हुए थे। खुद को अपराध शाखा के पुलिसकर्मी और अधिकारी बताया और पूछताछ शुरू कर दी। आरोपितों ने छात्रों को गाड़ी में बैठाकर धमकाया और कहा कि गांजा तस्करी के मामले में गिरफ्तार कर लेंगे। एक आरोपित ने खुद को अपराध शाखा का डीएसपी और दो ने पुलिसकर्मी बताया। आरोपितों ने छात्रों से दो कैश और पांच हजार 890 ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। मंगलवार को अफसरों ने पीड़ितों के कथन लेकर आरोपित दिनेश प्रजापति, सुयश लाट और प्रशांत अहिर के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया। टीआई अजय नायर के मुताबिक दिनेश और सुयश तिलकनगर थाना की एफआरवी चलाते हैं। वीआईपी आगमन के कारण एफआरवी पर पदस्थ पुलिसकर्मी ड्यूटी पर थे। आरोपित बगैर बताए गाड़ी ले गए और छात्रों को लूट लिया। आरोपित प्रशांत भी चालक है। वह डीएसपी बनकर धमकाने में शामिल था।

महापौर ने की अपील- कपड़े के झोले का करें इस्तेमाल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग फ्री डे के अवसर पर बुधवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने झोन क्रमांक 14-15 के वार्ड 83-84 में फूटीकोठी चौराहे पर स्थित सब्जी मंडी में एक विशेष कार्यक्रम के तहत नागरिकों और दुकानदारों को प्लास्टिक के बेग के स्थान पर कपड़े के झोले का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर महापौर ने दुकानदार, ठेले व नागरिकों को सिंगल यूज प्लास्टिक व प्लास्टिक के बैग का उपयोग नहीं करने की शपथ दिलाई। महापौर परिषद सदस्य अश्विनी शुक्ल, राकेश जैन, पार्षद शानु शर्मा, अधीक्षण यंत्री महेश शर्मा, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अखिलेश उपाध्याय, सीएसआई विवेक गंगराडे, हर्षित लोधी, अवध नारायण व अन्य उपस्थित थे। इस दौरान महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सब्जी मंडी में उपस्थित ग्राहकों और ठेलेवालों को प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले नुकसान के बारे में समझाया और उन्हें कपड़े के झोले का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही उपस्थित लोगों को प्लास्टिक मुक्त जीवन जीने की शपथ दिलाई। महापौर ने दुकानदारों, ग्राहकों को कपड़े के बैग भी वितरित किए, ताकि वे भविष्य में प्लास्टिक बैग का उपयोग न करें और पर्यावरण को सुरक्षित रखें। महापौर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग फ्री डे के अवसर पर दुकानदार व नागरिकों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना, लोगों को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझाना हमारा उद्देश्य है, साथ ही जिन दुकानदारों द्वारा कपड़े की थैले का उपयोग किया जा रहा था, ऐसे दुकानदारों का उत्साहवर्धन भी किया।

पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स की परीक्षाएं घोषित

20 जुलाई से चौथे और 25 से दूसरे सेमेस्टर के पेपर

सिटी चीफ इंदौर।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की परीक्षा घोषित कर दी। मई में होने वाली दूसरे-चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं दो महीने पिछड़ चुकी है, जो जुलाई तीसरे सप्ताह से करवाई जाएगी। बकायदा विश्वविद्यालय ने टाइम टेबल जारी कर दिया है।

20 जुलाई से चौथे और 25 जुलाई से चौथे सेमेस्टर के पेपर शुरू होंगे। परीक्षा में बीस हजार विद्यार्थी सम्मिलित होंगे। इनके लिए विश्वविद्यालय ने इन दिनों केंद्र बनाने में लगा है। अधिकारियों के मुताबिक 10 जुलाई के बाद छात्र-छात्राओं के एडमिट कार्ड जारी होंगे।

लोकसभा चुनाव की वजह से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की दूसरे-चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं प्रभावित हुई। अप्रैल-मई में होने वाली परीक्षाएं जुलाई में शुरू होगी। विश्वविद्यालय ने इन परीक्षाओं को दो सत्र में करवाने का फैसला लिया है।

सुबह 8 से 11 एमकॉम और सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक एमए, एमएससी, एमएसडब्ल्यू दूसरे-चौथे सेमेस्टर के पेपर होंगे। एमए-एमएससी चौथे सेमेस्टर की 20 जुलाई से 8 अगस्त, दूसरे सेमेस्टर की 25 जुलाई से 2 अगस्त, एमएचएससी-एमकाम, एमए दूसरा सेमेस्टर 25 से 31 जुलाई, चौथे सेमेस्टर 20 से 26 जुलाई, एमएसडब्ल्यू दूसरा सेमेस्टर 25 जुलाई से 3 अगस्त, चौथे सेमेस्टर 20 से 26 जुलाई, एमपीएड चौथे सेमेस्टर 9- 15 जुलाई के बीच परीक्षा होगी।

विश्वविद्यालय ने नियमित और एटीकेटी वाले विद्यार्थियों शामिल किया गया है। परीक्षा विभाग के डिप्टी रजिस्ट्रार प्रज्वल खरे का कहना है कि 20 हजार विद्यार्थियों के लिए 40-50 केंद्र बनाएंगे। इसके अलावा केंद्रों पर नजर रखने के लिए उड़न दस्ते की टीमें होगी।

जुलाई तक करवाए प्रायोगिक परीक्षा

विश्वविद्यालय ने कॉलेजों को प्रायोगिक परीक्षा करवाने को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए है। विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक कॉलेजों को नियमित व एटीकेटी विद्यार्थियों की परीक्षाएं 25 जुलाई तक करवाने पर जोर दिया है। साथ ही छात्र-छात्राओं के अंक 26 जुलाई तक ऑनलाइन भेजने को कहा है।

कालेजों को शैक्षणिक सत्र 2024-25 से ही कृषि स्नातक पाठ्यक्रम संचालित करने संबंधी कार्रवाई करने के निर्देश

कॉलेज की छात्राएं खेतों में जाकर सीखेंगी किसानी के गुर

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शासन ने प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में यूजी स्तर पर कृषि स्नातक का पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इसके लिए प्रदेश के मप्र के चार सरकारी और 18 स्वायतशासी कालेजों में बीएससी एग्रीकल्चर का पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इसमें राजधानी का शासकीय सरोजनी नायडू कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय (नूतन कालेज) में इस सत्र से बीएससी एग्रीकल्चर का पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम के लिए कालेज अपने ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों से अनुबंध करेंगे और उनके खेतों में विद्यार्थियों से प्रैक्टिकल भी करेंगे। बता दें कि शासन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत इस सत्र से कृषि पाठ्यक्रम को शुरू करने के निर्देश दिए थे।शासन ने विश्वविद्यालय और कालेजों को निर्देशित किया है कि जिनके पास कृषि के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है।

नूतन कालेज कृषि भूखंड भी तैयार किया जा रहा है

नूतन कालेज में बीएससी एग्रकल्चर में 50 सीट उपलब्ध कराए जाएंगे।इसमें छात्राओं को प्रवेश दिया जाएगा। साथ ही उन्हें राजधानी के ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों से अनुबंध कर उनके खेतों में प्रैक्टिकल कराया जाएगा। कालेज ने नवीबाग और सीहोर स्थित कृषि अनुसंधान संस्थान में भी छात्राओं को प्रैक्टिल कराया जाएगा।साथ ही कालेज में भी 500 स्क्वायर फीट की जगह छात्राओं के प्रैक्टिकल के लिए तैयार किया जा रहा है। पांच जुलाई को कालेज प्रबंधन किसानों के साथ अनुबंध करेगा।

प्रदेश के चार विश्वविद्यालय में भी शुरू किया जा रहा कृषि पाठ्यक्रम

वर्तमान में उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले अभी प्रदेश के तीन परंपरागत विश्वविद्यालय में यह पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। अब शासन के निर्देश के बाद चार अन्य विश्वविद्यालय इंदौर का देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, ग्वालियर का जीवाजी विश्वविद्यालय, रीवा का अवधेश प्रताप सिंह विवि और छतरपुर का महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और स्वायतशासी कालेजों में शुरू किया जा रहा है।इसमें चार सरकारी और 18 स्वायतशासी कालेजों में भी शुरू किया जा रहा है। हालांकि मप्र में दो कृषि विवि भी हैं। जबलपुर में जवाहरलाल नेहरु कृषि विवि व ग्वालियर में राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विवि है।

भोपाल में इन चार कालेज में कृषि पाठ्यक्रम

-उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान(आईईएचई)

-एमएलबी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय

-सरोजिनी नायडू कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय

-गीतांजलि कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय

इनका कहना है

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत इस सत्र से चार विवि और 18 कालेजों में बीएससी एग्रीकल्चर का पाठ्यक्रम शुरू किया रहा है। इनमें 50-50 सीट हैं।भोपाल में चार कालेजों में यह पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है।

डा. धीरेंद्र शुक्ल, विशेरू कर्तृत्वव्यस्थ अधिकारी, उच्च शिक्षा विभाग

-इसी सत्र से बीएससी एग्रकल्चर का पाठ्यक्रम 50 सीटों के साथ शुरू किया जा रहा है। इसके लिए आस-पास के किसानों से अनुबंध किया जाएगा। उनके खेतों में जाकर छात्राओं को प्रैक्टिकल कराया जाएगा। साथ ही यहां के कृषि संस्थानों में भी छात्राएं सीखने जाएंगी।

डा. सुरिन्दर कौर बत्रा,प्राचार्य, नूतन कालेज

नाबालिगों का अपहरण कर 1.50 लाख में बेचा, तीन गिरफ्तार

बहला-फुसलाकर बच्चियों को राजस्थान ले गई थीं दो महिलाएं, एक की कराई शादी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी की बागसेवनिया पुलिस ने मानव तस्करी के एक बड़े गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने इस मामले में दो नाबालिगों को राजस्थान के झालावाड़ से बरामद किया है। आरोपियों ने बच्चियों को डेढ़ लाख रुपए में बेचा।

बच्चियों ने पूछताछ में बताया कि उनको बहला-फुसलाकर उनकी परिचित दो महिलाएं घर से लेकर राजस्थान गई थी, जहां उनकी एक युवक की शादी से करा दी, जबकि दूसरी की कराने वाली थी। उससे पहले ही पुलिस ने दो महिला और एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। मानव तस्करी के इस मामले में चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे गिरोह का संचालन निशातपुरा के लांबाखेड़ा से दंपती कर रहे थे। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद से पति और पत्नी दोनों फरार हो गए हैं। पुलिस ने आरोपियों पर मानव तस्करी समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद से पति और पत्नी दोनों फरार हो गए हैं। पुलिस ने मानव तस्करी समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। बागसेवनिया टीआई अमित सोनी ने बताया कि 26 जून को बागमुगालिया में रहने वाली एक महिला ने थाने आकर अपनी नाबालिग बेटी के लापता होने की शिकायत की थी। उससे एक और नाबालिग के गायब होने की जानकारी मिली ।

अपहरण का मामला दर्ज कर मामले की जांच में सामने आया कि बच्चियां गायब होने के पहले दो महिलाओं गौरीशंकर आवासीय परिसर निवासी 41 वर्षीय नजमा खान पति रमानंद कामत और अम्बेड़कर मूर्ति के पास बागमुगालिया निवासी 49 वर्षीय संगीता हिरवे पति राजू हिरवे के साथ देखा गया था। दोनों इंदौर में एक शादी समारोह में ले जाने का झांसा देकर गई थी। पुलिस जांच कर रही थी कि इसी दौरान एक नाबालिग बच्ची ने अपने भाई को फोन कर घटना की सूचना दी। तब पुलिस को राजस्थान के झालावाड़ बच्चियों के बेचने की जानकारी मिली। बाद में पुलिस एक टीम राजस्थान के झालावाड़ पहुंची और दोनों नाबालिग को एक कमरे से बरामद किया। यहां से पुलिस एक नाबालिग से शादी करने वाले ग्राम घाटोली जिला झालावाड़ निवासी 22 वर्षीय दुगार्लाल लोधा को गिरफ्तार किया।वह बच्ची को कमरे में बंद कर मारपीट कर उसका शारीरिक शोषण कर रहा था।

60-60 हजार रुपए मिलना थे

मामले में पुलिस को निशातपुरा में रहने वाली सुनीता ठाकुर नाम की महिला और उसके पति राम सिंह ठाकुर के बारे में जानकारी मिली है। नजमा और संगीता ने दोनों बच्चियों का सुनीता और रामसिंह के माध्यम से सौदा किया था। दोनों को 60 - 60 हजार रुपये मिलने थे। पुलिस को पता चला कि दंपती ने भोपाल की और नाबालिग बच्चियों को इस तरह से बेचा है। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद और भी नए राजफाश हो सकते हैं।

उत्तर प्रदेश से होकर गुजर रही द्रोणिका की वजह से तरबतर होंगे कई जिले

प्रदेशभर में छाए बादल, आज कई जिलों में होगी झमाझम बारिश

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। वर्तमान में बंगाल की खाड़ी एवं अरब सागर में कोई प्रभावी मौसम प्रणाली सक्रिय नहीं है। इस वजह से मध्यप्रदेश में भारी वर्षा होने की संभावना कम है। हालांकि अलग-अलग स्थानों पर बनी तीन मौसम प्रणालियों के असर से पूरे प्रदेश में हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं। ग्वालियर, चंबल एवं सागर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं झमाझम वर्षा हो सकती है।

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक, वर्तमान में गुजरात के उत्तरी हिस्से पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। असम पर भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। इसके अतिरिक्त उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश से लेकर असम पर बने चक्रवात तक एक द्रोणिका बनी हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में किसी प्रभावी मौसम प्रणाली के सक्रिय नहीं रहने से प्रदेश में भारी वर्षा होने की संभावना नहीं है। हालांकि अब मानसून द्रोणिका बन गई है, जो वर्तमान में उत्तर प्रदेश से होकर गुजर रही है। इस वजह से गुरुवार को ग्वालियर, चंबल एवं सागर संभाग के जिलों में झमाझम वर्षा होने की संभावना है। मध्य प्रदेश से असम तक बनी द्रोणिका और गुजरात के पास बने चक्रवात के असर से भी वातावरण में लगातार नमी मिल रही है। इस वजह से पूरे प्रदेश में बादल छाए हुए हैं और सभी जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं।

शराब पीते समय जहर को पानी समझकर पीया, अस्पताल में मौत

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र में एक 45 वर्षीय युवक ने पानी समझकर अपनी शराब में जहर मिलाकर पी लिया। इससे उसकी मौत हो गई। युवक शराब पीने का आदी था। 1 जुलाई की सुबह उसे रास्ते में पड़ी एक बोतल दिखाई दी। उस बोतल में जहरीला पदार्थ मौजूद था।

युवक को लगा कि वह पानी है और उसने शराब में उसे मिलाकर पी लिया। थोड़ी ही देर बाद उसे उल्टी आना शुरू हो गई। दोस्तों ने युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में ले लिया है। पोस्टमॉर्टम के बाद युवक का शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया और बच्चों के साथ रहता था। सुरेश शराब पीने का आदी था। 30 जून की रात को वह शराब पीकर सोने चला गया। अगले दिन वह घर से कुछ काम के लिए निकला। सुरेश को रास्ते में पड़ी एक बोतल मिली, उसमें जहरीला पदार्थ था, जो पानी के जैसा लग रहा था। सुरेश ने उसे पानी समझकर शराब के साथ मिलाकर पी लिया। थोड़ी ही देर बाद उसे उल्टी होने लगी, जिसकी सूचना उसने अपने दोस्त को दी। सुरेश को एम्स में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मिसरोद थाने में पदस्थ एएसआइ बद्री लाल ने बताया कि जाटखेड़ी निवासी सुरेश जाटव निजी काम करता था और पत्नी

तेज गर्मी और गर्मी की छुट्टियां खत्म होने का असर

मई के मुकाबले जून में भोपाल से कम रवाना हुए यात्री

सिटी चीफ भोपाल।

मानसून की दस्तक और गर्मी की छुट्टियां खत्म होने का असर हवाई यात्रियों की संख्या पर नजर आ रहा है। राजधानी के एयरपोर्ट से दूसरे शहरों की ओर रवाना होने वाले यात्रियों की संख्या मई के मुकाबले जून में कम दर्ज की गई है।

हालांकि यात्रियों की संख्या लगातार चौथे माह सवा लाख से अधिक रही है, मई में एक लाख 42 हजार 876 यात्रियों ने देश के विभिन्न शहरों तक सफर किया। एयरपोर्ट अथारिटी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जून में यह संख्या एक लाख 34 हजार 166 दर्ज की गई है। विमानों के फेरे भी कम हुए हैं। जून माह में तेज गर्मी के कारण कई उड़ानें निरस्त हुई थीं। अंतिम सप्ताह में मानूसन की दस्तक और ग्रीष्मकालीन अवकाश समाप्त होने से यात्रियों की संख्या कम हुई। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी का कहना है किइस साल कुछ नए रूट पर उड़ानें शुरू हो सकती हैं। ऐसे में यात्री संख्या भी बढ़ेगी।

कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल ने कांग्रेस नेता के खिलाफ जताई नाराजगी, बोले- हिंदुओं को अपमानित करने और सदन में झूठी बयानबाजी को लेकर देश की जनता से माफी मांगें राहुल

इंडी गठबंधन के सनातन विरोधी एजेंडे का हिस्सा है राहुल का बयान

सिटी चीफ भोपाल।

कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल ने लोकसभा में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का हिंदुओं को हिंसक बताया जाना कांग्रेस और इंडी गठबंधन के सनातन विरोधी हिडन एजेंडे का ही हिस्सा है। ऐसा करके राहुल गांधी ने एक बार फिर सनातन को अपमानित करने का प्रयास किया है, जिसके विरोध में देश भर में गुस्सा है। राहुल गांधी के इस संदेश के जो संकेत देश में गए हैं, वो बेहद खतरनाक हैं। पटेल ने कहा कि राहुल गांधी ने अपने भाषण में न केवल हिंदुओं का घोर अपमान किया, हिंदुओं को हिंसक, नफरती और झूठा बताया, बल्कि अग्निवीर, किसान, अयोध्या, माइक-सभी मामलों पर झूठ और केवल झूठ बोला। हिंदुओं और सनातन को अपमानित करने तथा सदन में झूठी बयानबाजी करने के लिए राहुल गांधी को देश की जनता से तत्काल माफी मांगनी चाहिए। पटेल ने कहा कि राहुल गांधी ने सोमवार को राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर चर्चा के दौरान जिस तरह से संसदीय नियमों और परंपराओं का लगातार अपमान किया, उसे पूरे देश ने देखा है। लेकिन उन्होंने मयार्दा की सीमा का उल्लंघन तब किया, जब उन्होंने हमारी भारतीय संस्कृति को हिंसक बताने का अपराध किया। पटेल ने कहा कि लंबे संसदीय कार्यकाल के दौरान उन्होंने नियमों और परंपराओं की ऐसी अवहेलना कभी नहीं देखी।उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी को यह चुनौती देता हूं कि सारी दुनिया में अगर अहिंसा, सद्भाव और वसुधैव कुटुंबकम को लेकर किसी का नाम लिया जाता है, तो वह

सनातन संस्कृति ही है। हमने किसी के बच्चों को दीवार में चुनवाकर अपने धर्म के बारे में चर्चा नहीं की। हमने तलवार लेकर कभी धर्म का विस्तार करने के बारे में सोचा। राहुल गांधी हिंसा करने वाले इन लोगों के बारे टिप्पणी करके बताएं, तब उन्हें पता चलेगा।

अपने गिरेबान में झांकें कांग्रेस और राहुल गांधी

पटेल ने कहा कि राहुल गांधी झूठ बोल कर भाग जाने में माहिर रहे हैं। राफेल मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बावजूद उन्होंने अपना दुष्प्रचार जारी रखा था। संविधान और संवैधानिक संस्थाओं का राहुल गांधी कितना सम्मान करते हैं, यह उस घटना से स्पष्ट हो जाता है, जब उन्होंने प्रेस क्लब में स्वयं अपनी पार्टी की गठबंधन सरकार के पारित ऑर्डिनेन्स की प्रति को फाड़ दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का चरित्र देश की संवैधानिक व्यवस्थाओं को कमजोर करने का रहा है। इंदिरा गांधी ने भी लगातार संसद, न्याय प्रणाली और नौकरशाही जैसी देश की संवैधानिक व्यवस्थाओं को कमजोर करने का कार्य किया। पटेल ने कहा कि 99 सीटें जीतने पर ये हिंदुओं को हिंसक, नफरती और झूठा बता रहे हैं, इससे साफ हो जाता है कि इनकी असल मंशा क्या है?

सम्पादकीय

आखिर हाथरस की मौतों का कसूरवार कौन ?

हाथरस की घटना के बाद जनपद एटा के अस्पतालों के बाहर लगे लाशों के अंबार हृदयविदारक थे। चारों तरफ करुण क्रंदन और अपनों को तलाशने की बेबसी थी। सौ से अधिक लाशों का ढेर देखकर आहत एक पुलिस कांस्टेबल का हार्टफेल होने से निधन हो गया। मरने वालों में अधिकांश महिलाएं थीं, वहीं कुछ पुरुष व बच्चे भी शामिल हैं।

उत्तरप्रदेश के हाथरस जिले में सिकंदराराऊ कस्बे के फुलरई गांव में मंगलवार का दिन सैकड़ों लोगों के लिए अमंगलकारी साबित हुआ। कथित तौर पर पुलिस या खुफिया विभाग की नौकरी छोड़कर सूरजपाल से नारायण हरि साकार उर्फ भोले बाबा बने एक संत के सत्संग में प्रवचन के समापन और बाबा के निकलने के बाद ऐसी भगदड़ मची कि मंगलवार रात 116 की मौत का आंकड़ा बुधवार की सुबह 122 तक पहुंच गया है। सैकड़ों श्रद्धालु हाथरस, एटा और अलीगढ़ में इलाज करवा रहे हैं। मरने वालों में 100 से ज्यादा महिलाएं और आधा दर्जन बच्चे शामिल हैं। इस घटना ने पूरे देश को विचलित किया। सिकंदराराऊ के निकट फुलरई के एक खेत में कथित हरि बाबा का एक दिवसीय सत्संग चल रहा था। बताते हैं जब बाबा का काफिला जाने लगा तो सेवादारों ने करीब पचास हजार से अधिक श्रद्धालुओं को रोक दिया। गर्मी व उमस वाली भरी दोपहर में सत्संग सुनने के बाद श्रद्धालु घर जाने को बेताब थे। फिर भगदड़ मच गई और जो गिरा वो उठ न सका। लोगों की चीख-पुकार को सुनने के लिये वहां पुलिस-प्रशासन की कोई व्यवस्था नहीं थी। नजदीकी जनपद एटा के अस्पतालों के बाहर लगे लाशों के अंबार हृदयविदारक थे। चारों तरफ करुण क्रंदन और अपनों को तलाशने की बेबसी थी। सौ से अधिक लाशों का ढेर देखकर आहत एक पुलिस कांस्टेबल का हार्टफेल होने से निधन हो गया। मरने वालों में अधिकांश महिलाएं थीं, वहीं कुछ पुरुष व बच्चे भी शामिल हैं। हादसा बड़े आयोजन में सुरक्षा उपायों की अनदेखी पर सवाल उठाता है। सवाल यह भी है कि 17 साल पहले पुलिस की नौकरी छोड़कर कथावाचक बने बाबा में ऐसा क्या सम्मोहन था कि वहां मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश व हरियाणा तक से हजारों श्रद्धालु जुटे थे। अब जांच, मुआवजे तथा कार्रवाई की बात कही जा रही है। सवाल उठता है कि इतना बड़ा आयोजन बिना पुख्ता इंतजाम के किसकी अनुमति से किया जा रहा था? क्या सुरक्षा मानकों का पालन किया गया? क्या इतने बड़े आयोजन की सुरक्षा का जिम्मा पुलिस-प्रशासन का नहीं होता? जाहिर है मौतों के बढ़ते आंकड़ों के साथ ही घटना पर लीपापोती की कोशिश भी की जाती रहेगी। निस्संदेह, ऐसे बाबाओं की दुकान बिना राजनेताओं के वरदहस्त के चलनी संभव नहीं है। बहरहाल आने वाले दिनों में जांच के बाद किसी के सिर पर लापरवाही का ठीकरा फोड़ा जाएगा। मगर इन मौतों का कसूरवार कौन है? जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनकी कमी कैसे पूरी होगी? बताते हैं कि प्रवचन करने वाले बाबा नदारद हैं। कहा जा रहा है कि यह एक निजी कार्यक्रम था, कानून व्यवस्था के लिए प्रशासन की ड्यूटी लगाई गई थी, लेकिन आयोजन स्थल पर भीतरी व्यवस्था आयोजकों के द्वारा की जानी थी। बड़े अधिकारियों का घटना स्थल पर जाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। लेकिन हकीकत है कि हम पिछले हादसों से कोई सबक नहीं सीखते। हाल के दिनों में भीड़भाड़ वाले धार्मिक आयोजनों में भगदड़ में लोगों के मरने के मामले लगातार बढ़े हैं। सवाल उठना स्वाभाविक है कि भीड़ के बीच होने वाले हादसों को कैसे रोका जाए। दो साल पहले माता वैष्णो देवी परिसर में भगदड़ में बारह श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। अप्रैल 23 में बनारस की भगदड़ में 24 लोग मरे थे। इंदौर में पिछले साल रामनवमी के दिन बावड़ी की छत गिरने से पैंतीस लोग मर गये थे। इसी तरह 2016 में केरल के कोल्लम के एक मंदिर में आग लगने से 108 लोगों की मौत हुई और दो से अधिक घायल हुए थे। पंजाब के अमृतसर में दशहरे के मौके पर रावण दहन देख रहे साठ लोगों के ट्रेन से कुचलकर मरने की घटना को नहीं भूले हैं। देश में भीड़ की भगदड़ से होने वाले 70 फीसदी हादसे धार्मिक आयोजनों के दौरान ही होते हैं। इसे रोकने को नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने भी कुछ गाइड लाइन्स जारी की थी। जिसमें राज्य सरकार, स्थानीय अधिकारियों, प्रशासन व आयोजकों को दिशा-निर्देश दिए गए थे। जिसके लिये भीड़ प्रबंधन से जुड़े लोगों की क्षमता विकसित करने व बेहतर प्रशिक्षण का सुझाव शामिल था। प्रशासन से भीड़ के व्यवहार व मनोविज्ञान का अध्ययन कर भीड़ प्रबंधन की बेहतर तकनीक विकसित करने को कहा गया था। जिसमें तिरुपति मंदिर हेतु आईआईएम अहमदाबाद की व्यवस्था की केस स्टडी भी शामिल थी। पुलिस को भी सख्ती के बजाय अच्छे व्यवहार के लिये कहा गया था। मगर रिपोर्ट का आज भी जमीन पर असर होता नहीं दिख रहा है।

सुनीता को अंतरिक्ष से लाने में क्यों हो रही देर?

सुनीता के अंतरिक्ष यान में आई खराबी हार्डवेयर वाली नहीं है। उसके सॉफ्टवेयर को ठीक किया जा रहा है। स्टारलाइनर या नासा भी इसके लिए पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। वो किसी से मदद मांगने के बजाय अभी यान की खामियों को ठीक रकने में ही लगे हैं। चूंकि उनके पास अभी 45 से 72 दिन का वक्त है, इसलिए वो मदद मांगने से कतरा रहे हैं।

यह उस जमाने की बात है, जब अमेरिका में आइजनहावर राष्ट्रपति थे। उस वक्त यानी 1954 में अमेरिका अंतरिक्ष में पहला कदम रखने की योजना बना रहा था। मगर, यह योजना परवान नहीं चढ़ सकी। 4 अक्टूबर, 1957 का वो ऐतिहासिक दिन, जब सोवियत रूस ने स्पुतनिक नाम का सैटेलाइट लॉन्च किया। एक महीने बाद ही स्पुतनिक-2 लॉन्च कर दिया, जिसके जरिये पहली बार अंतरिक्ष में लाइका नाम के एक कुत्ते को भेजा गया था। ऐसा पहली बार था, जब अंतरिक्ष में किसी जीवित जीव को भेजा गया था। यह खबर इतनी तेजी से पूरी दुनिया में फैली कि अमेरिका टेंशन में आ गया।

दरअसल इस कहानी के तार आज भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर से जुड़े हुए हैं, जो बीते 5 जून को बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसशिप में बैठकर अंतरिक्ष गए थे। तभी से वो स्पेस में फंसे हुए हैं। उनका शुरुआती मिशन 8 दिनों का होने वाला था, मगर स्पेसक्राफ्ट में खराबी के कारण उनकी वापसी नहीं हो पाई है। बोइंग स्टारलाइनर की यह पहली उड़ान थी। हीलियम लीक और थ्रस्टर में खराबी के कारण वापसी में देरी हो रही है। यह भी सवाल उठ रहे हैं कि आखिर जब इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर रूस का कैप्सूल पहले से तैयार है तो आखिर क्यों दोनों को धरती पर लाया नहीं जा रहा है। क्या यह अंतरिक्ष की जंग के चलते अमेरिका अपने परंपरागत दुश्मन रूस से मदद नहीं मांग रहा है। जानते हैं अमेरिका-रूस के बीच अंतरिक्ष की होड़ की कहानी।

दरअसल, द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से पूरी दुनिया में ब्रिटेन का दबदबा खत्म हो चुका था। अब दुनिया की नई ताकत बनकर अमेरिका उभर रहा था। ऐसे में वह धरती, समुद्र और आसमान सब जगह अपना दबदबा कायम करना चाहता था। मगर, उसकी राह में सबसे बड़ा रोड़ा तब का सोवियत रूस था, जो तकनीक, परमाणु क्षमता के साथ अंतरिक्ष में काफी आगे निकल रहा था। स्पुतनिक के लॉन्च होने पर अमेरिका की टेंशन बढ़ी तो दुनिया ने यह समझ लिया कि शीत युद्ध के दौर में अब अंतरिक्ष के लिए भी बड़ी जंग शुरू होने वाली है। अमेरिका ने भी 1957 के आखिर में वैंगार्ड टीवी-3 नाम का पहला सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजने की कोशिश की, मगर यह लॉन्च पैड पर ही क्रैश होकर गिर पड़ा। इससे अंतरिक्ष की दुनिया में अमेरिका की बड़ी किरकिरी हुई।

द स्मिथसोनियन एयर एंड स्पेस म्यूजियम के अनुसार, अमेरिका को पहली कामयाबी 31 जनवरी, 1958 को तब मिली जब उसने एक्स्प्लोरर-1 को छोड़ा। उसी वक्त यह तय किया गया कि अमेरिकी अंतरिक्ष प्रोग्रामों के लिए एक अलग और स्वायत्त संस्था या एजेंसी का गठन किया जाए। आखिरकार 1 अक्टूबर, 1958 को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने बाकायदा काम करना शुरू कर दिया।

इसरो के पूर्व वैज्ञानिक विनोद कुमार श्रीवास्तव कहते हैं कि 12 अप्रैल, 1961 को सोवियत अंतरिक्ष यात्री यूरी गागरिन अंतरिक्ष में जाने वाले पहले व्यक्ति बन गए। उन्होंने एक बार में 108 मिनट की धरती की कक्षा में उड़ान भरी। जवाब में अमेरिका ने 5 मई, 1961 को नौसेना के टेस्ट पायलट एलेन शेफर्ड अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे व्यक्तिबन गए। अब तक यह तय हो चुका था कि अमेरिका और रूस के बीच अंतरिक्ष को लेकर जंग शुरू हो चुकी है।

अंतरिक्ष की दुनिया में अब तक रूस का दबदबा काफी बढ़ चुका था। अमेरिका में जब जॉन एफ केनेडी राष्ट्रपति बने तो उन्होंने सबसे पहले चांद पर इंसान भेजने की योजना बनाई, जो अमेरिका को रूस से आगे ले जा सकता था।

अंतरिक्ष की होड़ में पहली मौत 24 अप्रैल, 1967 को हुई, जब सोवियत अंतरिक्ष यात्री व्लादिमीर कोमारोव की एक मिशन की दौरान मौत हो गई। कोमारोव का अंतरिक्ष यान सोयुज-1 नष्ट हो गया, जब इसका पैराशूट खुलने ही वाला था। इससे पहले उसी साल 27 जनवरी को अमेरिका के अंतरिक्ष प्रोग्राम को बड़ा धक्का तब लगा था, जब उसके पहले लुनार मॉड्यूल अपोलो-1 में आग लग गई।

जुलाई, 1969 का वो ऐतिहासिक दिन भी आ गया, जब अमेरिका चांद पर पहुंच गया। अपोलो-11 को केनेडी स्पेस सेंटर से भेजा गया था। 4 दिन बाद यानी 20 जुलाई, 1969 को नील आर्मस्ट्रांग पहले व्यक्ति बन गए, जिन्होंने चांद पर कदम रखा। हालांकि, इसे कुछ लोग कॉन्सपिरेसी थ्योरी भी कहते हैं, जिसके तहत फर्जी तरीके से स्टूडियो में चांद पर इंसान के उतरने की तस्वीरें दिखाई गई थीं। हालांकि, चांद पर इंसान के कदम रखने की इस ऐतिहासिक घटना को करीब 50 करोड़ लोगों ने दुनियाभर में देखा।

विनोद कुमार श्रीवास्तव कहते हैं कि चांद पर पहला इंसान भेजकर अमेरिका ने रूस पर विजय हासिल कर ली थी। दरअसल, रूस इससे पहले चांद पर इंसान भेजने की कई विफल कोशिशें कर चुका था। 1963 से 1965 के दौरान उसने 11 रॉकेट भेजे, मगर सभी फेल हो गए। रूस को इस अपमान की भरपाई तब हुई, जब उसने अंतरिक्ष में पहली महिला भेजकर अंतरिक्ष में अपने दबदबे का अहसास कराया। 1963 में वैलेंटीना तेरेश्कोवा अंतरिक्ष में पहुंचीं। यही काम करने में अमेरिका को 20 साल लग गए। कनाडा ने अपना रॉकेट और सैटेलाइट 1962 में, फ्रांस ने 1965 में, जापान और चीन ने 1970 में भेजा था। भारत का पहला उपग्रह आर्यभट्ट, 19 अप्रैल 1975 को सोवियत संघ के रॉकेट की सहायता अंतरिक्ष में छोड़ा गया था। इसका नाम महान गणितज्ञ आर्यभट्ट के नाम पर रखा गया था। वहीं, 1984 में, राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय नागरिक बन गए। जब वे भारत की ओर सोवियत संघ के अंतरिक्ष यान में अंतरिक्ष गए थे।

विनोद श्रीवास्तव के अनुसार, सुनीता के अंतरिक्ष यान में आई खराबी हार्डवेयर वाली नहीं है। उसके सॉफ्टवेयर को ठीक किया जा रहा है। स्टारलाइनर या नासा भी इसके लिए पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। वो किसी से मदद मांगने के बजाय अभी यान की खामियों को ठीक रकने में ही लगे हैं। चूंकि उनके पास अभी 45 से 72 दिन का वक्त है, इसलिए वो मदद मांगने से कतरा रहे हैं। आईएसएस पर 8 कैप्सूल डॉक किया जा सकता है। अभी वहां पर रूस का ही कैप्सूल मौजूद है, जो इमरजेंसी में काम आता है। पहले अमेरिका का भी कैप्सूल होता था। मगर, अभी सारे कैप्सूल रूस के ही हैं। ये कैप्सूल स्टेशन पर डॉक हैं। अगर खराब से खराब स्थिति आती है तो रूस का कैप्सूल वहां पर है, जिससे एकसाथ 5 अंतरिक्ष यात्री धरती पर लौट सकते हैं। 5 यात्री स्टेशन पर हैं, जबकि बाकी सुनीता और बुच के आने से स्टेशन पर 7 यात्री हो गए हैं।

विनोद कुमार श्रीवास्तव बताते हैं कि रूस और अमेरिका की अंतरिक्ष की जंग अरसा पुरानी है, जो अभी भी जारी है। स्पेशन स्टेशन पर ऐसे 8 पोर्ट हैं, जहां कैप्सूल लगा सकते हैं। अभी की तारीख में दो कैप्सूल हैं, जिसमें से एक रूस का है। चूंकि अमेरिका और रूस के बीच संबंध अच्छे नहीं हैं, इसलिए अमेरिका अभी अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहा है। स्टारलिंक के पास भी इमरजेंसी सिचुएशन के लिए एक कैप्सूल हो, जिसका अंतरिक्ष यात्रियों को धरती पर लाने में किया जा सकता है। अमेरिका ये सोच रहा होगा कि अगर उसने रूस से मदद ले ली तो उसे इस मामले में पिछड़ना पड़ेगा। इसरो के पूर्व वैज्ञानिक विनोद कुमार श्रीवास्तव कहते हैं कि भविष्य के युद्ध स्वचालित हथियारों, रोबोट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से लड़े जाएंगे। लेकिन, इस होड़ में अंतरिक्ष में दबदबे की भी जंग है। अंतरिक्ष में मौजूद उपग्रहों की भूमिका बदल चुकी है। वो युद्ध में काम आने वाले हथियारों और सिस्टम को निर्देश देने लगे हैं। जैसे कि हथियारों से लैस सैनिकों को जीपीएस से दिशा निर्देश देना, दुश्मन की गतिविधियों की निगरानी, कमांड और कंट्रोल की सुविधा देते हैं। इसके अलावा, दुश्मन के उपग्रहों को तबाह करने या बंद कर देने से जमीन पर चल रही जंग में बढ़त बनाई जा सकती है।

नालंद की गौरव गाथा ऐसे ही अमिट नहीं बनी

नालंद के विद्या केंद्र को देखते हुए इसे विश्वविद्यालय नगर की संज्ञा प्रदान करें, तो संभवत: इसमें कोई अत्युक्ति नहीं होगी। ह्वेनसांग के विवरण में इसके नाम की व्युत्पत्ति के विषय में एक उल्लेख मिलता है, जो बौद्ध परंपराओं पर आधारित है। इसके अनुसार, गौतम बुद्ध अपने एक पूर्व जन्म में इस क्षेत्र के सम्राट थे। उनकी ख्याति चतुर्दिक अथक दानी (न-अलम-दा, अर्थात दान देने से न संतुष्ट होने वाले) के रूप में थी। इस कारण यह स्थान नालंद के नाम से प्रख्यात हुआ। मज्झिम निकाय (1.377) के अनुसार, यह राजगृह के पास एक छोटा-सा ग्राम था। जैन ग्रंथों में यह राजगृह के सीमांत क्षेत्र के रूप में वर्णित है। यहां पर महावीर ने 14 वर्ष व्यतीत किए थे। अशोक के काल के पूर्व यहां पर सारिपुत्र की स्मृति में एक स्तूप बनवाया गया था। फाह्यान के समय तक विद्या के केंद्र के रूप में नालंद की कोई ख्याति नहीं थी। फाह्यान के लगभग तीन शताब्दियों के बाद जब ह्वेनसांग नालंद आया, उस समय यहां पर एक अंतरराष्ट्रीय ख्याति का विद्या केंद्र था। ह्वेन सांग के अनुसार, इस विद्या केंद्र की स्थापना शक्रादित्य नामक नरेश द्वारा की गई थी। शक्र शब्द इंद्र का पर्याय है तथा मुद्रा साक्ष्य के अनुसार महेंद्रादित्य कुमारगुप्त प्रथम से उसका एका संभाव्य है। इस आधार पर नालंद विश्वविद्यालय की स्थापना कुमारगुप्त प्रथम द्वारा किया जाना स्थापित होता है। शक्रादित्य के बाद बुद्धगुप्त, तथागतगुप्त, बालादित्य वज्र तथा हर्षादि ने नालंद में भवन आदि का निर्माण करवाया तथा विद्या केंद्र को आर्थिक सहायता भी प्रदान की। हर्ष ने यहां पर पीतल का एक विहार तथा उसके चारों ओर एक दीवार बनवाने के साथ ही एक संघाराम का भी निर्माण किया, जिसमें 40 भिक्षुओं के भोजन की व्यवस्था की गई थी। ह्वेनसांग लिखता है कि उसके आगमन पर शक्रादित्य द्वारा निर्मित विहार जीर्णावस्था को प्राप्त हो चुका था। लेकिन नालंद महाविहार के संरक्षण और संवर्धन से जुड़े हमें कई ताम्रलेख प्राप्त हैं, जिनमें से कुछ का प्रकाशन हीरानंद आदि विद्वानों ने एपीग्राफिया इंडिका के वॉल्यूम 20 और 21 में नालंद ऐंड इट्स एपीग्रैफिक मैटेरियल्स शीर्षक से प्रकाशित किया है। उनमें से एक के अनुसार, वहां कई विहार एक ही पंक्ति में थे, जिनके शिखर गगनचुंबी थे। इत्सिंग भी पुष्टि करता है कि वहां के भवन बादलों को छूते हुए से लगते थे। नालंद के विद्यार्थियों को नि:शुल्क भोजन, वस्त्र के साथ शिक्षा दी जाती थी। ह्वेनसांग इस महाविहार को भारतीय राजाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की प्रशंसा करते हुए लिखता है कि इसे दो सौ गांव आर्थिक सहायता के लिए प्रदान किए गए थे। विश्वविद्यालय की अपनी निजी मुद्रा थी, जिस पर 'श्री नालंदा महाविहार-आर्य-भिक्षु-संघस्य' लेख उत्कीर्ण है। इस विश्वविद्यालय से देश-विदेश के कई अन्य विद्यालय भी संबद्ध थे और उनकी अलग-अलग मुद्राएं थीं।

जातिगत भेदभाव पर लोहिया, उनके विचार और शब्द रखते हैं अद्भुत समकालीनता

ब्रिटिश शासन के अंतिम दशकों की बात करें तो भारत में समाजवादी और कम्युनिस्ट नेता उपनिवेशवाद विरोधी राजनीति में सक्रिय थे। उसके बाद आजादी के पहले के दशकों में ये दोनों गुट कांग्रेस पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बने रहे। समाजवादियों और कम्युनिस्टों की शुरुआती पीढ़ियों में साहस और आदर्श के अलावा दूसरे कई गुण भी थे। फिर भी उनमें एक कमी थी- भारतीय समाज में जातिगत भेदभाव के बारे में जागरूकता की कमी। लेकिन इस मामले में समाजवादी विचारक और राजनीतिज्ञ राम मनोहर लोहिया एक अपवाद थे। जातिगत भेदभाव के ऊपर लोहिया ने जो लिखा, उसे प्रशंसकों ने इकट्ठा कर उनके जीवनकाल में ही एक किताब के रूप में हैदराबाद से प्रकाशित कराया था। हालांकि वह किताब लंबे समय से अब प्रिंट में नहीं है, लेकिन एक स्वतंत्र प्रकाशक ने उसका संशोधित संस्करण जरूर निकाला। संयोग की बात यह है कि वह प्रकाशन संस्थान भी हैदराबाद में ही स्थित था। लोहिया ने अपने वामपंथी साथियों के बारे में लिखा था कि वे ईमानदारी से, लेकिन गलत तरीके से यह सोचते हैं। वे मानते हैं कि सिर्फ आर्थिक असमानता को खत्म करने के परिणामस्वरूप जातिगत असमानता अपने आप खत्म हो जाएगी। उन्हें आर्थिक और जातिगत असमानता रूपी राक्षस को खत्म करना था, पर वे इसे समझ पाने में असफल रहे। लोहिया इस बात को बखूबी समझते थे कि भारतीय समाज में 'जाति' एक महत्वपूर्ण कारक है। जो लोग इसे सैद्धांतिक रूप से नहीं मानते हैं, वे इसे व्यावहारिक तौर पर इसे स्वीकार करते हैं। उन्होंने लिखा कि भारत में 'जन्म, मृत्यु, विवाह, दावत जैसे अनेक अनुष्ठान' जातिगत ढांचे के अनुसार ही चलते हैं। इस व्यवस्था को यह सुनिश्चित करने के लिए लागू किया गया था कि ऊंची जातियों के लोग राजनीतिक और आर्थिक, दोनों तरह से अपना शासन बनाए रखें। वे अकेले इस व्यवस्था को बंदूक के दम पर नहीं चला सकते थे, इसलिए उन्हें उन लोगों में हीनता की भावना को भरना था, जिन पर वे राज करना चाहते थे या जिनका शोषण करना चाहते थे। यद्यपि लोहिया दलितों के विरुद्ध भेदभाव को नजरअंदाज नहीं करते। उनका ध्यान उन सवर्ण या उच्च जातियों पर केंद्रित है, जहां से राजनीतिक, प्रशासनिक, पेशेवर, व्यावसायिक और बौद्धिक अभिजात्य वर्ग आते थे और छोटी जातियों का सत्ता और उच्च पदों पर बड़े पैमाने पर प्रतिनिधित्व नहीं था। 1958 में उन्होंने लिखा था कि सवर्ण, भारत की आबादी के पांचवें हिस्से से भी कम हैं। इसके बाद भी वे राष्ट्रीय गतिविधियों, व्यापार, सेना, सिविल सर्विस या फिर राजनीतिक पार्टियों में आसानी से आ जाते हैं। राष्ट्र की प्रगति के लिए इस असंतुलन को सही करना होगा। लोहिया चाहते थे कि उनके साथी समाज के निचले वर्गों, जैसे कि महिलाओं, पिछड़ों , हरिजन, मुस्लिम और आदिवासियों को ऊपर लाने के लिए संघर्ष करें, भले ही उनकी योग्यता आवश्यक रूप से कम हो। वे मानते थे कि सदियों पुराने इतिहास में जो कुछ हुआ, उसे अब खत्म किया जाना चाहिए। समाजवादियों से लोहिया की अपेक्षा थी कि वे अंतरजातीय, खासतौर से अलग-अलग वर्णों के बीच होने वाले विवाह को बढ़ावा दें। वे लिखते हैं, अगर जाति के बंधन को तोड़ दिया जाए या उसमें थोड़ी ढील दी जाए तो उच्च जाति के बहुत से युवा पिछड़ी जातियों की महिलाओं की ओर आकर्षित होंगे और अपने साथ-साथ देश के लिए खुशियां लाएंगे। ठीक इसी तरह पिछड़ी जातियों के लड़के उच्च जातियों की महिलाओं की जिंदगी में प्रवेश कर सकेंगे। 1960 में लोहिया ने जाति के अध्ययन और पिछड़ेपन को समझने के लिए संघ के गठन की बात कही थी। उन्होंने इस संघ के आठ मुख्य उद्देश्य बताए, जिनमें से दो के बारे में बताता हूं। पहला यह कि धर्म के साथ-साथ उसकी प्रथाओं को भी जाति दोष से मुक्त किया जाए, इस विश्वास के साथ कि अंतरजातीय विवाह करने से जातियां खत्म हो सकती हैं। दूसरा यह कि सरकारी पदों, राजनीतिक दलों, व्यापार और सशस्त्र सेवा में कानून या परंपरा के तौर पर 60 प्रतिशत पदों को पिछड़ी जाति, महिलाओं, हरिजन और आदिवासियों के लिए सुरक्षित करने की मांग की जाए। पुस्तक के एक दिलचस्प हिस्से में 1955-56 में एक तरफ डॉ. लोहिया और उनके सहयोगियों तथा दूसरी तरफ डॉ. भीमराव आंबेडकर के बीच आदान-प्रदान किए गए पत्रों की एक श्रृंखला को पुन: प्रस्तुत किया गया है। यहां इन दोनों नेताओं और उनके अनुयायियों को एक-दूसरे के करीब लाने का प्रयास किया गया था, शायद इस उद्देश्य से कि उनकी दोनों पार्टियां 1957 के आम चुनावों में एक साझा मंच पर लड़ें। लोहिया और आंबेडकर के बीच जब पत्र-व्यवहार की शुरुआत हुई थी, लोहिया ने आंबेडकर से कहा था, मैं चाहता हूं कि सहानुभूति के साथ गुस्सा भी जुड़ जाए और आप न सिर्फ पिछड़ी जातियों के, बल्कि भारतीय लोगों के भी नेता बनें। आंबेडकर ने लोहिया के पत्र का जवाब देते हुए लिखा, आप मुझसे 2 अक्तूबर को दिल्ली में आकर मिलें। यह गांधी का जन्मदिन था और शायद यह महज एक संयोग था। दुर्भाग्य से लोहिया के घुमक्कड़ जीवन और आंबेडकर के खराब स्वास्थ्य के कारण दोनों क्रांतिकारी सुधारक व्यक्तिगत रूप से मिलकर संभावित सहयोग पर चर्चा नहीं कर पाए। 6 दिसंबर, 1956 को आंबेडकर का निधन हो गया। लोहिया ने अपने साथी समाजवादी मधु लिमये को लिखा, आंबेडकर भारतीय राजनीति के महान व्यक्ति थे। गांधी के साथ-साथ वे भी सबसे बड़े हिंदू थे। इस तथ्य ने मुझे हमेशा से एक संबल और विश्वास दिया है कि हिंदू धर्म से जाति व्यवस्था एक दिन खत्म हो सकती है। उन्होंने आगे लिखा, डॉ. आंबेडकर विद्वान, ईमानदार, साहसी और स्वतंत्र व्यक्ति थे। उन्हें बाहरी दुनिया में ईमानदार भारत के प्रतीक के रूप में देखा जा सकता था। लेकिन वे थोड़े सख्त थे। उन्होंने गैर-हरिजन का नेता बनने से मना कर दिया। लोहिया ने सोचा कि आंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि उन्हें डॉ. आंबेडकर ही बना रहने दिया जाए। जातिगत भेदभाव के प्रति लोहिया की गहरी जागरूकता उन्हें अपने समय के अन्य समाजवादियों से अलग करती है और यही बात उनके 'नारीवाद' पर भी लागू होती है। वे लिखते हैं, अगर भारतीय लोग पृथ्वी पर सबसे दुखी हैं, तो जातिगत भेदभाव और महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण इस पतन के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। लोहिया ने लिखा है, एक पितृसत्तात्मक समाज में ऐसा होता है कि महिला का स्थान रसोई में है। ऐसे में समाजवादियों को इस बात का विरोध करते हुए कहना चाहिए कि ऐसे में तो पुरुषों की जगह नर्सरी में होनी चाहिए। साठ सालों से यह तर्क दिया जा रहा है कि बच्चों के पालन-पोषण में पति और पिता को बराबरी के साथ हिस्सा लेना चाहिए। यह एक आदर्श स्थिति हो सकती है, लेकिन व्यवहार में ऐसा कहीं दिखता नहीं। इस कॉलम में उद्धृत लेख, पत्र और भाषण 1953 और 1961 के बीच लिखे गए थे। ऐसा हो सकता है कि अभी ब्राह्मणवाद राजनीति और प्रशासन पर उतना हावी न हो, जितना 1950 के दशक में था। फिर भी संस्कृति और आर्थिक जीवन में वे आबादी में अपने हिस्से के अनुपात से कहीं ज्यादा प्रभाव डालते हैं। इसलिए कई मामलों में जाति पर लोहिया के विचार और शब्द एक अद्भुत समकालीनता रखते हैं।

2024-25 के लिए 3,65,067 करोड़ रुपए के व्यय का प्रावधान,जो 2023-24 के 3,14,025 करोड़ रुपए के मुकाबले 16 प्रतिशत अधिक

इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए सरकार की खास योजनाएं

उज्जैन जाने वाला हर मार्ग चार या आठ लेन बनेगा

मध्यप्रदेश में अगले पांच साल में एक्सप्रेस-वे नेटवर्क के माध्यम से 299 किमी का अटल प्रगति पथ, 900 किमी का नर्मदा प्रगति पथ, 676 किमी के विंध्य एक्सप्रेस-वे, 450 किमी का मालवा-निमाड़ विकास पथ, 330 किमी का बुंदेलखंड विकास पथ एवं 746 किमी का मध्य भारत विकास पथ बनाया जाएगा। इनके दोनों ओर औद्योगिक कॉरीडोर विकसित होंगे। भोपाल, इंदौर, जबलपुर एवं ग्वालियर में एलिवेटेड कॉरिडोर बन रहे हैं। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए उज्जैन शहर में बायपास के साथ शहर में आने वाले सभी मार्गों को चार लेन अथवा आठ लेन किया जाएगा।

रामपथ और कृष्ण पथ का विकास होगा

राज्य सरकार ने संस्कृति विभाग के लिए 1,081 करोड़ रुपए रखे हैं। यह 2023-24 के मुकाबले 250 प्रतिशत अधिक है। इस राशि से भारत के कालजयी महानायकों की तेजस्विता का संग्रहालय वीर भारत न्यास स्थापित किया जा रहा है। यह देश और दुनिया का अपनी तरह का पहला संग्रहालय होगा। भगवान श्री राम ने वनवास के दौरान प्रदेश के विभिन्न स्थानों से पथ गमन किया। राज्य की सीमाओं के अंतर्गत राम पथ गमन के अंचलों के विभिन्न स्थलों को चिह्नांकित कर उनका विकास करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्री कृष्ण पाथेय योजना की घोषणा की है। इसके माध्यम से प्रदेश में श्री कृष्ण पथ के पुनरावेषण और संबंधित क्षेत्रों के साहित्य, संस्कृति तथा संस्कार का संरक्षण, संवर्धन किया जाना प्रस्तावित है।

पांच साल में एक्सप्रेस-वे नेटवर्क का जाल

अगले पांच साल में एक्सप्रेस-वे नेटवर्क के माध्यम से 299 किमी का अटल प्रगति पथ, 900 किमी का नर्मदा प्रगति पथ, 676 किमी के विंध्य एक्सप्रेस-वे, 450 किमी का मालवा-निमाड़ विकास पथ, 330 किमी का बुंदेलखंड विकास पथ एवं 746 किमी का मध्य भारत विकास पथ बनाया जाएगा। इनके दोनों ओर औद्योगिक कॉरीडोर विकसित होंगे। भोपाल, इंदौर, जबलपुर एवं ग्वालियर में एलिवेटेड कॉरिडोर बन रहे हैं। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए उज्जैन शहर में बायपास के साथ शहर में आने वाले सभी मार्गों को चार लेन अथवा आठ लेन किया जाएगा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 2024-25 में 1,000 किमी सड़क बनाएंगे और 2,000 किमी सड़कों के नवीनीकरण का लक्ष्य है। वित्तमंत्री ने बजट भाषण में कहा- आगामी 5 साल में एक्सप्रेसवे नेटवर्क के माध्यम से अटल प्रगति पथ, नर्मदा प्रगति पथ, विंध्य एक्सप्रेसवे, मालवा निर्माण एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड विकास पथ और मध्य भारत विकास पथ के कार्य किए जाएंगे। इन मार्गों के दोनों और औद्योगिक गलियारा विकसित किए जाएंगे।

पार्वती, काली सिंध और चंबल लिंक परियोजना

2025-26 तक 65 लाख हेक्टेयर और 2028-29 तक एक करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र को संचित करने का लक्ष्य रखा गया है। पार्वती, काली सिंध, चंबल नदी लिंक परियोजना निर्माण की सैद्धांतिक सहमति बनाई गई है। इससे प्रदेश के 10 जिलों में चार लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता निर्मित होगी और पेयजल मिलेगा सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण व संधारण के लिए 13 हजार 596 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। केन बेतवा लिंक परियोजना और के लिए भी प्रावधान किए गए हैं।

नगरीय विकास के लिए 16744 करोड़

नगरीय क्षेत्रों में जन भागीदारी के माध्यम से दो संरचना विकास के लिए मुख्यमंत्री जन सहभागिता निर्माण योजना तथा प्रदेश के शहरी क्षेत्र में नागरिकों के स्वास्थ्य जीवन यापन के लिए नगर वनीकरण योजना लागू की जाएगी।

प्रदेश के 6 शहरों में चलेंगी 552 ई-बसें

शहरों के मास्टर प्लान की सड़कों के लिए 250 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। कायाकल्प योजना के लिए नगरीय क्षेत्र में आदर्श संरचना निर्माण योजना के लिए 1100 करोड़, मुख्यमंत्री अधो संरचना विकास योजना के अंतर्गत 1700 करोड रुपये के निर्माण कार्य चल रहे हैं। प्रधानमंत्री की बस योजना अंतर्गत इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन और सागर में 552 बसों का संचालन किया जाएगा।

भोपाल और इंदौर में जल्द शुरू होगी मेट्रो

भोपाल और इंदौर में मेट्रो रेल का संचालन शीघ्र प्रारंभ होगा। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में सभी निकायों को सम्मिलित किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रदेश के सभी शहरों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं जल प्रबंधन के लिए आगामी 5 वर्ष में 5000 करोड़ रुपए का निवेश होगा।

बजट में किसानों के लिए यह सब....

किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रयास

किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के महत्वपूर्ण घटक जैसे सूक्ष्म सिंचाई, फसल विस्तार, संरक्षित खेती, बागवानी, मधुमक्खी पालन की स्थापना पर फोकस। किसानों की आय बढ़ाने में फूड प्रोसेसिंग का महत्वपूर्ण योगदान है। उद्योग संवर्धन नीति के अंतर्गत फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स को विशेष पैकेज दिया जा रहा है। फूड प्रोसेसिंग उद्योगों को पांच वर्ष तक मंडी शुल्क में शत-प्रतिशत तथा विद्युत टैरिफ में एक रुपये प्रति यूनिट की छूट। प्रदेश में उपलब्ध 4 लाख 42 हजार हैक्टेयर जलक्षेत्र में से 4 लाख 40 हजार हेक्टेयर जलक्षेत्र मछली पालन अंतर्गत लाया जा चुका है। वर्ष 2023-24 में 3 लाख 82 हजार मैट्रिक टन मत्स्य उत्पादन तथा लगभग 215 करोड़ मत्स्य बीज का उत्पादन किया गया है, जो अब तक का सर्वाधिक है।

किसानों को लोन के लिए 600 करोड़

प्राकृतिक आपदा से होने वाली नुकसान की भरपाई के लिए 2000 करोड़ रुपए रखे गए हैं। फसल विविधीकरण योजना के लिए 20 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। 0ब्ब पर किसानों को ऋण उपलब्ध कराने के लिए 600 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 30 करोड़ प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में निशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में शामिल होने से वंचित हितग्राहियों को शामिल करने के लिए राज्य सरकार की योजना के लिए 520 करोड़ रुपए रखे गए हैं। किसानों को 23 हजार करोड़ रुपए के फसल ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री कृषि कल्याण योजना में 4900 करोड़

मुख्यमंत्री कृषि कल्याण योजना में 4900 करोड़ रुपए रखे गए हैं। केंद्र और राज्य सरकार की योजना से 42 लाख किसान लाभान्वित हो रहे हैं। गेहूं पर 125 रुपए प्रति कुंतल बोनस देने के लिए 1000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

डिंडोरी में श्री अन्न अनुसंधान केंद्र बनेगा

श्री अन्न उत्पादन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश राज्य मिलेट मिशन गठित किया है। राज्य सरकार द्वारा श्री अन्न के उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि के लिये फेडरेशन के माध्यम से उपार्जित किये जा रहे कोदो-कुटकी पर प्रति किलोग्राम 10 रुपए की अतिरिक्त राशि भी दी जाएगी। डिंडोरी में श्री अन्न अनुसंधान केंद्र की स्थापना होगी। कृषि क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए उज्जैन में चना तथा ग्वालियर में सरसों अनुसंधान संस्थान बनेंगे।

पशुओं को घर पहुंच चिकित्सा

मई 2023 से प्रारंभ 406 चलित पशु चिकित्सा इकाइयों ने अब तक 5.46 लाख से अधिक पशुओं को घर पर चिकित्सा सुविधा दी है। चलित पशु कल्याण सेवा योजना में 82 करोड़ रुपए खर्च होंगे। मुख्यमंत्री सहकारी दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना प्रारंभ की जाएगी। इसके अंतर्गत दुग्ध उत्पादकों को सहकारी समितियों के माध्यम से प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके लिए 150 करोड़ रुपये का बजट।

गौ-वंश रक्षा वर्ष मनाएंगे

2,190 गौ-शालाओं का संचालन हो रहा है। इनमें लगभग तीन लाख गौ-वंश का पालन हो रहा है। प्रति गौ-वंश प्रति दिन 20 रुपये दिए जाते थे, जिसे दोगुना कर 40 रुपए किया जाएगा। तीन गुना वृद्धि करते हुए बजट में 250 करोड़ रुपये रखे हैं। 2024-25 को गौ-वंश रक्षा वर्ष के रूप में मनाया जाएगा।

बजट में शिक्षा के लिए ये प्रावधान....

सरकारी स्कूलों में पढ़ाएंगे एआई, मशीन लर्निंग: विद्यार्थियों में स्किल डेवलपमेंट एवं एमर्जिंग ट्रेंडस के दृष्टिगत एआई, मशीन लर्निंग, कोडिंग आधारित शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों में नई शिक्षा नीति के तहत अभी तक 1,500 प्री-स्कूल क्लासेस संचालित कर रहे हैं। 2024-25 में 3,200 प्राथमिक शालाओं में प्री-स्कूल शुरू होंगे। सरकारी स्कूलों में विषयवार शिक्षकों की उपलब्धता के साथ खेल, नृत्य, संगीत शिक्षकों के 11 हजार पदों पर नियुक्ति की कार्यवाही की जा रही है। 730 स्कूलों को पीएम श्री योजना अंतर्गत चिन्हित किया है। शैक्षिक गुणवत्ता सुधार के साथ भौतिक संसाधनों का उन्नयन भी किया जाएगा। प्रदेश के बैगा, भारिया, सहरिया जैसी विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु पीएम जन-मन योजना के अंतर्गत इस वर्ष 22 नवीन छात्रावास प्रारंभ किए जाएंगे।

सीएम राइस स्कूलों में परिवहन व्यवस्था: वर्ष 2024-25 में 150 सीएम राइस स्कूल नवीन भवन में संचालित होंगे। इन विद्यालयों में एक किलोमीटर से अधिक दूर रहे बच्चों के लिए परिवहन व्यवस्था लागू की गई है। सीएम राइस विद्यालयों के लिए 2737 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस : उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए शुरू की गई पीएम उषा परियोजना के तहत प्रदेश में 565 करोड़ की कार्ययोजना स्वीकृत हुई है। प्रत्येक जिले में एक कॉलेज को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में अपग्रेड किया जाएगा। इन कॉलेजों के लिए दो हजार से अधिक नवीन पद भी सृजित किए गए हैं।

22 नए आईटीआई शुरू होंगे: प्रदेश में 22 नए आईटीआई शुरू होंगे। वर्तमान में 268 सरकारी आईटीआई संचालित हो हैं। नए आईटीआई में 5,280 नई सीट्स मिलेंगी। देवास, छिंदवाडा एवं धार को ग्रीन स्किलिंग आईटीआई में विकसित कर सोलर टेक्नीशियन एवं इलेक्ट्रिक व्हीकल मैकेनिक पाठ्यक्रम प्रारंभ किए हैं । विद्यार्थियों को विशिष्ट कौशल एवं आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश के प्रत्येक संभाग में स्थित इंजीनियरिंग/पॉलीटेकनिक महाविद्यालय में कोडिंग लैब की स्थापना की जाएगी।

विपक्ष का हंगामा, विश्वास सारंग के इस्तीफे की मांग

बजट पेश करने के लिए जैसे ही सदन की कार्रवाई बुधवार को शुरू हुई, विपक्ष के नेता उमंग सिंघार और अन्य कांग्रेस सदस्यों ने कथित घोटाले के सिलसिले में मंत्री विश्वास सारंग के इस्तीफे की मांग की। बजट भाषण शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि विपक्ष को यह मुद्दा उठाने के लिए मंगलवार को पर्याप्त समय दिया गया था और उन्हें बजट पेश किए जाने के दौरान सदन की परंपरा के अनुसार इसमें भाग लेना चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मामले में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि विधानसभा की कार्यवाही सदन के नियमों और परंपराओं के अनुसार चलेगी और विपक्ष को उचित प्रक्रिया के तहत अपनी शिकायतें उठानी चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने भी कहा कि सदन के नियमों में ढील दिए जाने के बाद विपक्ष मंगलवार को यह मुद्दा उठा चुका है। विपक्षी सदस्यों ने विजयवर्गीय की बात पर कोई ध्यान नहीं दिया और वे आसन के सामने खड़े होकर नारेबाजी करते रहे और फिर वहीं बैठ गए।

प्रदेश में हो रहा औद्योगिक विकास

वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने बजट भाषण में कहा कि प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए सरकार निरंतर कदम उठा रही है। राज्य ने ऑटोमोबाइल, वस्त्र, पर्यटन, स्वास्थ्य देखभाल, कौशल विकास, फॉर्मा, अक्षय ऊर्जा, वेयरहाउसिंग को ऐसे ट्रस्ट सेक्टर के रूप में चिह्नित किया है। यह आर्थिक वृद्धि को गति प्रदान करते हैं। उज्जैन में प्रथम रीजनल इंडस्ट्री में लगभग 12170 करोड़ रुपए का निवेश और 26000 से अधिक नवीन रोजगार उपलब्ध होना संभावित है। विभिन्न जिलों में 10 हजार 64 करोड रुपए के निवेश से स्थापित होने वाले 61 औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण भूमि पूजन किया गया है।

जनवरी में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट

जनवरी में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आयोजन होगा। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना को और प्रभावी बनाया जाएगा। उद्योग क्षेत्र के लिए 4190 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण विकास के लिए 27870 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। हर साल जल गंगा संवर्धन अभियान जैसी गतिविधियां संचालित की जाएगी।

महिलाओं के लिए सरकार के प्रयास जारी...

महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए 26560 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। यह गत वर्ष से 81ब्ब अधिक है महिलाओं एवं बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए सभी विभागों में योजनाएं संचालित हैं। जेंडर बजट 2024-25 का 1,21,997 करोड रुपए है। लाड़ली बहना योजना को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया। लाड़ली लक्ष्मी योजना में 48 लाख 3000 बालिकाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। 11706 आंगनबाड़ी केंद्रों को सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र में उन्नत किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जन मन महा अभियान के अंतर्गत 217 आंगनबाड़ी भवनों के लिए फिर 100 करोड़ रुपए का प्रावधान है।

युवा कल्याण और खेल के लिए 586 करोड़

मध्यप्रदेश में स्पोर्ट्स टूरिज्म को बढ़ाने के लिए नाथू बरखेड़ा भोपाल में अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्पोर्ट्स कॉप्लेक्स का निर्माण व अंतराष्ट्रीय स्तर के स्पोर्ट्स साइंस सेंटर की स्थापना की जाएगी। शासकीय सेवा में नियुक्ति की चयन परीक्षा के लिए युवाओं द्वारा जमा किए जाने वाले आवेदन शुल्क का भार काम करने के लिए राज्य सरकार द्वारा नई नीति बनाई जाएगी। खेल एवं युवा कल्याण के लिए 586 करोड़ रुपए का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के विकास के सरकार कटिबद्ध है।

अनुसूचित जाति वर्ग का कल्याण

अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण के लिए 27900 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है। विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, गणवेश और छात्रावास सुविधा आदि के लिए 1427 करोड़ रुपए रखे गए हैं। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के लिए 1704 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। सामाजिक न्याय के अंतर्गत पेंशन एवं कल्याणकारी योजनाओं के लिए 4421 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसमें मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह योजना अभिभावक पेंशन योजना सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं शामिल है।

पैक्स के माध्यम से कॉमन सर्विस को उपलब्ध कराने के क्रम में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

इस अवसर पर सीएससी राज्य स्तर अधिकारी एवं सहायक विकास अधिकारी सहित सभी सचिव एवम अधिकारीगण मौजूद रहे

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।

सहारनपुर, सहारनपुर – कोआपरेटिव सोसाइटी के माध्यम से गांव में सीएससी की सुविधा का लाभ आम जन मानस को दिया जायेगा। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय एवं इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा संचालित संस्था सीएससी के मध्य हुए करार के आधार पर बी पैक्स बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण समिति को कॉमन सर्विस सेंटर के रूप स्थापित करने की योजना बनी है। जिसमें सहारनपुर जनपद के 53 समिति से सीएससी का कार्य प्रारंभ हुआ है, जिसके लिये आज जनपद के 53 सचिवों को प्रोजेक्ट के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। सीएससी के जिला प्रबंधक विकास त्यागी और जिला समन्वयक अभिनंदन ओझा द्वारा प्रशिक्षित किया गया। प्रधानमंत्री के साहकार से समृद्धि दृष्टिकोण को साकार करने के लिए यह पहल की गई है। इस पहल के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य में 5120 पैक्स को कॉमन सर्विस सेंटर में परिवर्तित किया जा चुका है। इस क्रम में, राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद (ह्रष्टष्टक्क) और सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के संयुक्त प्रयास से राज्य के समस्त पैक्स सोसाइटी के अधिकृत सचिवों/आपरेटरों को प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया की सरकार घर घर तक योजना के तहत इन समितियों के माध्यम से भारत

सरकार एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ आसानी से उपलब्ध कराया जा सके। इन केंद्रों से बैंकिंग सेवा,आयुष्मान भारत योजना, टेली लॉ, प्रधानमंत्री श्रम योगी योजना, प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि, लेबर रजिस्ट्रेशन,बिजली बिल जमा, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का रजिस्ट्रेशन, आईआरसीटीसी टिकट, सहित 250 से अधिक सेवा इन केंद्रों से संचालित होंगी। सहायक आयुक्त जिला सहकारिता विभाग रवि शंकर ने सभी ,सहायक अधिकारी एवं सभी सचिव को निर्देशित किया की ज्यादा से ज्यादा लोगो को सीएससी के माध्यम से केंद्र सरकार एवम राज्य सरकार की सेवा उपलब्ध कराएं एवम लोगो की सहायता करें। इस अवसर पर सीएससी राज्य स्तर अधिकारी ओमकार त्यागी एवं सहायक विकास अधिकारी सहित सभी सचिव एवम अधिकारीगण मौजूद रहे।

बीजेपी महिला पार्षद डॉक्टर सुवर्णा दुबे के साथ पुलिस ने की अभद्रता

सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा महामहिम राज्यपाल के नाम एसडीएम महू को ज्ञापन, की कार्यवाही की मांग

महू, महू नीमच मार्ग के चौड़ा करने की मुहिम प्रशासन द्वारा चलाई जा रही है उस दिन स्थानी जनप्रतिनिधि सर्व ब्राह्मण समाज की प्रतिष्ठित महिला चिकित्सक श्रीमती डॉक्टर सुवर्णा दुबे के साथ की गई अभद्रता को लेकर सर्व ब्राह्मण समाज महू द्वारा दिनांक 1 जुलाई को महू एडिशनल एसपी कार्यालय पर बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग एकत्रित हुए और डॉक्टर सुवर्णा दुबे के विरुद्ध की गई कार्रवाई के विरोध में ज्ञापन सोपा. इसी क्रम में दिनांक 4 जुलाई गुरुवार को सुबह :11 बजे एसडीएम कार्यालय पहुंचकर राज्यपाल के नाम ज्ञापन महू एसडीम को भी सोपे जाएगा यह ज्ञापन सर्व ब्राह्मण समाज के नेतृत्व में सैकड़ो ब्राह्मण समाज के पुरुष और महिलाओं के द्वारा दिया जाएगा इस संदर्भ में सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष कैलाश दत्त पांडे द्वारा ब्राह्मण समाज के सभी संगठनों सर्व ब्राह्मण समाज महू परशुराम सेना इंदौर परशुराम महासभा सर्व ब्राह्मण महिला संगठन सभी ब्राह्मण जनों को यह ज्ञापन देने हेतु 4 जुलाई गुरुवार को सुबह 10:00 धरनाका स्थित अभिलाषा गार्डन पर एकत्रित होने का आवाहन किया गया है अभिलाषा गार्डन में एकत्रित होकर सभी संगठनों के विप्र बंधु पैदल एसडीएम कार्यालय पहुंचेंगे और वहां महामहिम राज्यपाल के नाम एसडीएम महू को ज्ञापन सौंपेंगे विप्र समाज की प्रतिष्ठित महिला चिकित्सक सुवर्णा दुबे के साथ प्रशासन द्वारा किए गए अभद्र व्यवहार से पूरा विप्र समाज समाज आक्रोशित है सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष कैलाश दत्त पांडे परशुराम सेना के अध्यक्ष अनूप शुक्ला परशुराम महासभा के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद शर्मा सर्व ब्राह्मण महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति तिवारी समाज के वरिष्ठ दिनेश शर्मा मेड शैलेंद्र शुक्ला अंजनी जोशी सहित सभी वरिष्ठ जनों ने ब्राह्मण समाज के विभिन्न संगठनों के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों से अनुरोध किया है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी ब्रह्म विचारधारा एवं एकता का परिचय दे.

सहारनपुर में शिवालिक पहाड़ियों पर भारी बारिश के बाद शाकंभरी देवी नदी में अचानक तेज बहाव आया

नदी पार कर माता के दर्शनों के लिए मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं ने पानी का बहाव देख सुरक्षित स्थान की तरफ जाकर जान बचाई

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।

सहारनपुर। शाकंभरी, शिवालिक पहाड़ियों पर भारी बारिश के बाद शाकंभरी देवी नदी में अचानक तेज बहाव आ गया। नदी पार कर माता के दर्शनों के लिए मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं ने पानी का बहाव देख सुरक्षित स्थान की तरफ जाकर जान बचाई। पुलिस कर्मियों ने सुरक्षा की दृष्टि से श्रद्धालुओं को भूरादेव मंदिर पर ही रोक दिया। जो श्रद्धालु माता के मंदिर पर पहुंच गए थे उन्हें पानी कम होने तक सिद्धपीठ में ही सुरक्षित स्थान पर रुके रहने के लिए कहा गया है।दरअसल, सुबह ही पहाड़ियों पर बारिश शुरू हो गई थी। दोपहर के समय बारिश तेज हो गई। जिसके बाद नदी में अचानक तेज बहाव आ गया। उस समय नदी से होकर सिद्धपीठ मां शाकंभरी देवी के मंदिर जा रहे श्रद्धालु पानी को

देख दौड़ पड़े। उन्होंने नदी किनारे पहुंचकर सांस ली। सिद्धपीठ में नदी में पानी आने की सूचना मिलने के बाद पुलिस- प्रशासन अलर्ट हो गया। सिद्धपीठ स्थित पुलिस चौकी पर तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए गए कि जो श्रद्धालु सिद्धपीठ में मौजूद हैं, उन्हें पानी कम होने तक वहीं पर रोका जाए। उधर, सिद्ध पीठ जाने वाले श्रद्धालुओं को पुलिस ने बाबा भूरादेव मंदिर पर ही रोक दिया और सभी को मौसम को देखते हुए वहां से जाने की सलाह दी गई। कुछ श्रद्धालु माता के दर्शन करने के लिए सिद्धपीठ जाने की जिद पर अड़े थे। उन्हें पुलिस ने कहा जब तक पानी नहीं उतरता तब तक उन्हें आगे नहीं जाने दिया जाएगा। नदी के बहाव में जान का खतरा हो सकता है।

कृषक उत्पादक संगठनों के साथ विभिन्न योजनाओं एवं लाईसेंसों से संतृप्तीकरण के संबंध में जिलाधिकारी ने की बैठक

अधिकारियों को समय सीमा के अन्तर्गत लाईसेंस देने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में कृषक उत्पादक संगठनों को विभिन्न योजनाओं एवं लाईसेंसों से संतृप्तीकरण एवं वर्तमान लाईसेंस संबंधी प्रार्थना पत्रों की समीक्षा की गयी। इसके अन्तर्गत बीज लाईसेंस, उर्वरक लाईसेंस, कीटनाशक लाईसेंस, मण्डी लाईसेंस, जीएसटी लाईसेंस, एफएसएएआई लाईसेंसों की समीक्षा की गयी।जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने संबंधित विभागों को समय सीमा के अन्तर्गत लाईसेंस देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यदि किसी लाईसेंस का अनुमोदन उच्च स्तर से लिया जाना है तो विभाग समन्वय कर संबंधित को लाईसेंस समय से देना

सुनिश्चित करें। डीएम मनीष बंसल ने जनपद के विभिन्न कृषक उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधियों के उनके द्वारा उत्पादित उत्पाद तथा इसमें हुए फायदे के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जो किसान कृषक उत्पादक संगठनों के सदस्य है उनको संगठनों के प्रमुख समय-समय पर बैठक करते हुए लाभांश भी देना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, पीडीडीआरडीए प्रणय कृष्ण, उप कृषि निदेशक डॉ0 राकेश कुमार, उपायुक्त स्वत: रोजगार इन्द्रपाल, एलडीएम प्रवीण जमुवार सहित संबंधित अधिकारीगण एवं एफपीओ के सदस्य उपस्थित रहे।

सर्व हिंदू समाज की बैठक में लिया निर्णय 6 जुलाई को करेंगे पौधारोपण

विधायक ने शहर में दो शमशान के लिए भी सुझाव और विचार रखे

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ।

शाजापुर, 3 जुलाई. लगातार हो रही पेड़ों की हत्या और प्रकृति का असंतुलन होने के कारण अब पेड़ों की महत्वता लोग समझने लगे हैं. जिस प्रकार जल जीवन है, तो पेड़ जीने के लिए संजीवनी है. शाजापुर की धरा को हरा-भरा करने के लिए सर्व हिंदू समाज ने एक बैठक आयोजित की, जिसमें 59 समाज के लोगों ने हर समाज से एक पेड़ लगाने का संकल्प लिया. 6 जुलाई को एक वृहद अभियान के तहत हरा-भरा शाजापुर के लिए पौधारोपण किया जाएगा. गौरतलब है कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अब शाजापुर में भी हिंदू समाज के लोग आगे आ रहे हैं. इसको लेकर श्रीकृष्ण व्यायामशाला में बैठक आयोजित की गई, जिसमें शाजापुर विधायक अरुण भीमावद ने कहा कि 6 जुलाई को हर समाज अपने समाज के नाम पर एक पौधा रोपित करे. यह अभियान सतत रूप से जारी रहेगा. प्रकृति के संतुलन और हरा-भरा शाजापुर के लिए हर नागरिक की सक्रियता और जागरुकता जरूरी है. हर व्यक्ति अपने घर के बाहर या अपनी जमीन पर एक पेड़ जरूर लगाए. पेड़ की महत्वता दो बार जीवन बचाने में समझ में आई. एक कोविड के समय ऑक्सीजन की महत्वता समझ में आई थी और इस बार भीषण गर्मी ने लोगों को पेड़ की

याद दिला दी. शहर की बढ़ती आबादी को देखकर अब एक शमशान कम पडने लगा है. इसको देखते हुए शाजापुर विधायक अरुण भीमावद ने दो शमशान के लिए सुझाव और विचार रखे. 6 जुलाई को अपने-अपने समाज के नाम से रोपेंगे एक पौधा सर्व हिंदू समाज के अध्यक्ष आशीष नागर ने बताया कि हिंदू समाज के 59 समाज के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया. 6 जुलाई को सभी समाज के लोग अपने-अपने समाज के नाम से एक पौधा रोपेंगे. इस महा अभियान को संकल्प के रूप में लेकर शाजापुर को हरा-भरा करना है. बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन, उपाध्यक्ष संतोष जोशी, गोविंद नायक, महेश भावसार, धर्म जागरण संयोजक अनूप किरकिरे, अनिल मालवीय, संपर्क प्रमुख विष्णु गवली, पूर्व नपाध्यक्ष प्रदीप चंद्रवंशी, तुलसीराम भावसार, गोपाल राजपूत, दिलीप भंवर, सत्या वात्रे, धर्मेंद्र प्रजापति, कैलाश मटोलिया, सीताराम पवैया, मनीष सोनी, गोविंद सोनी सहित सैकड़ों हिंदू समाज के पदाधिकारी, संरक्षक और सदस्य मौजूद थे.

स्वास्थ्य कर्मियों ने निकाली जागरूकता रैली

विधायक देवेंद्र निम ने किया रैली को झंडी दिखाकर रवाना

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।

सहारनपुर। नागल, संचारी रोग माह के तहत आम जनमानस में जागरूकता लाने को रैली का आयोजन किया गया। जागरूकता रैली कस्बे के मुख्य बाजारों से होती हुई वापस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर संपन्न हुई। रैली को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए रामपुर मनिहारान विधायक देवेंद्र निम ने कहा कि बरसात के मौसम में अनेक ऐसी बीमारियां जन्म लेती हैं जिनका इलाज समय पर न हो तो वह भयानक रूप धारण करते हैं। स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी सूरज सिंह ने कहा कि संचारी रोग माह एक जुलाई से 31 जुलाई तक चलेगा, जिसके तहत एएनएम व आंगनबाड़ी कार्यकत्री 11 जुलाई तक गांव गांव जाकर जन जागरूकता अभियान चलाते हुए प्रचार प्रसार करेंगे। 12 जुलाई से

31 जुलाई तक एएनएम व आशाएं गृह भ्रमण करते हुए जनमानस को संचारी रोग के बारे में जागरूक करेंगी। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में अपने आसपास कहीं भी जल भराव न होने दें साथ ही फ्रिज, कूलर, टायर आदि स्थानों की नियमित सफाई करें। बुखार, डेंगू, मलेरिया आदि होने पर तुरंत नजदीकी अस्पताल जाकर अपना इलाज कराएं, बरसात के मौसम में मच्छरदानी का प्रयोग करें, दिन में पूरी आस्तीन के कपड़े पहने। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष हरीश त्यागी, मुकेश माहेश्वरी, अरुण त्यागी, राजीव त्यागी, अनमोल कश्यप, चौधरी स्वराज, ईशा जैन, मीनाक्षी, सुनीता, मंसूर अहमद, कमल सिंह राणा, जुगल सिंह, अवनीश, किशोर आदि मौजूद रहे।

कटनी में स्कूल बस संचालकों को नियमों कानून से अवगत कराया जा रहा

बस के अंदर और बाहर यातयात के नियम और एमरजेंसी नंबरों की लिस्ट चस्पा

सुनील यादव। सिटी चीफ।

कटनी, कटनी जिले में प्राइवेट स्कूल की बसे जो प्रतिदिन बच्चो को घर से लेकर स्कूल और स्कूल से घर तक पहुंचने का कार्य कर रही है। इस बस संचालकों को यातायात के नियमों कानून से अवगत कराने के लिए जिले की पुलिस बल और ट्रैफिक पुलिस बल सड़को और स्कूलों में जाकर निरंतर बस ड्राइवरों को यह बताते आ रही है की यातायात के नियम का पालन करते हुए बच्चो को सुरक्षित उनके घर भेजे। इसी तारतम्ब में आज एसपी कार्यालय में कई प्राइवेट स्कूलों की बस को बुलवा बस के अंदर और बाहर यातयात के नियम और एमरजेंसी नंबरों की लिस्ट चस्पा की। कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने बताया की स्कूल के बच्चे जो इस भारत देश के भविष्य है और इसकी सुरक्षा करने के लिए पुलिस और जिला प्रशासन लगातार कोई न कोई पहल

लगातार कर रही है। इसी तारतम्ब में आज कई स्कूली बसों को एसपी कार्यालय बुलावा बस में सवार स्कूली बच्चों को यातायात के नियमों और कानूनों से अवगत कराते हुए स्कूली बच्चो की सुरक्षा के प्रति पुलिस प्रशासन ने जारी किया यतायात हेल्प लाइन नम्बर की लिस्ट के साथ यातायात के नियमों के पर्चे बस के अंदर और बाहर की तरफ चस्पा किया है। पुलिस अधीक्षक व यातायात पुलिस स्टाफ समेत बच्चो को गुलाब व टाफ़ी भी बांटी और बच्चो को गुलाब टाफ़ी बाटकर स्कूली बच्चो को सुरक्षा के बारे मे समझाया और बच्चो से कहा गया कि अगर बस ड्राईवर द्वारा अगर वाहन तेज चलाया जा रहा है या फिर सड़क मे कोई हादसा हो जाता है तो उसके लिए यातायात विभाग को सूचित करे।

शिवपुरी पुलिस को मिली बड़ी सफलता

उत्तर प्रदेश के 01 लाख रुपये के ईनामी कुख्यात डकैत को किया गिरफ्तार

कुलदीप गुप्ता। सिटी चीफ।

शिवपुरी, शिवपुरी जिले की सुभाषपुरा पुलिस ने आज लूट, डकैती, हत्या के प्रयास जैसे कई गंभीर अपराधों को अंजाम देने वाले कुख्यात आरोपी सूरज पारदी को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता प्राप्त की है । जानकारी के अनुसार पिछले दिनों सुभाषपुरा में लूट तथा चोरी की दो बड़ी वारदात घटित हुई थी जिसमें अनिल भारद्वाज द्वारा भोपाल से गोहद जाते समय रात्री करीब 2.30 बजे गाराघाट अमर नदी पुल के पास चार अज्ञात लोग सोने की चैन, सोने की 2 अगूंठी एवं 01 लाख रुपये नगद लूट कर ले गये। वहीं सांकरे बाले हनुमान मंदिर से 06 हजार रुपये व मंदिर का डीव्हीआर कोई अज्ञात व्यक्ति चुरा कर ले गए. पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन अरविन्द कुमार सक्सेना एवं पुलिस उप महानिरीक्षक ग्वालियर रेन्ज

कृष्णावेणी देशावतु द्वारा घटना को गंभीरता से लेते हुये आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए इसके बाद सुभाषपुरा पुलिस को सांकरे बाले हनुमान मंदिर के जंगलों में जंगल सर्चिंग करते हुये मुखबिर द्वारा सुबह सूचना प्राप्त हुयी कि गाराघाट रोड़ किनारे एक व्यक्ति कोई घटना करने की नियत से घूम रहा है। सूचना पर तुरंत कार्यवाही करते हुये सुभाषपुरा थाना प्रभारी ने पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर उक्त व्यक्ति को पकड़कर पूछताछ की तो उसने अपना नाम सूरज पारदी निवासी ग्राम सेंवडा थाना सुभाषपुरा का बताया जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास से एक 315 बोर का लोडेड देशी कट्टा, 03 जिंदा राउण्ड एवं 27500रु. नगद मिले। जब पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने अपने साथियों के साथ दोनों चोरी एवं लूट की घटनाओं को अंजाम देने के साथ ही उत्तर प्रदेश के कन्नौज थाना कोतवाली क्षेत्र में इत्र व्यापारी विमलेश चंद्र तिवारी के घर में सनसनीखेज डकैती बारदात को भी स्वीकार किया। जिसमें आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर घर मे घुसकर लोगों को बंधक बनाकर डकैती करके 50 लाख रूपये के सोने चांदी के जेवर, 7 लाख रूपये नगद व एक लाइसेंसी रिवाल्वर ले जाना स्वीकार किया जिस पर कानपुर अति0 पुलिस महानिदेशक द्वारा 01 लाख रूपये का ईनाम भी घोषित किया गया था। गिरफ्तार आरोपी सूरज पारदी पर हत्या का प्रयास, लूट, डकैती, चोरी जैसे गंभीर अपराधों के मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश एवं राजस्थान राज्यों में कुल 22 अपराध पंजीबद है।

जिला पंचायत दमोह ने विभिन्न योजनाओं में विशेष उपलब्धि के साथ 05 अंकों में से 4.25 औसत अंक अर्जित कर प्रदेश में छठवां स्थान प्राप्त किया

अपर मुख्य सचिव मलय श्रीवास्तव ने सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा को प्रशंसा पत्र जारी करते हुये शुभकामनाएं दी

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ।

दमोह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की ग्रेडिंग व्यवस्था में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अर्पित वर्मा द्वारा जिले में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में विशेष रूचि प्रदर्शित करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव मलय श्रीवास्तव ने प्रशंसा करते हुये बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।प्रशंसा पत्र में कहा गया है श्री वर्मा के कुशल नेतृत्व में जिला पंचायत दमोह ने 31 मार्च 2024 की स्थिति में विभिन्न योजनाओं में विशेष उपलब्धि के साथ 05 अंकों में से 4.25 औसत अंक अर्जित कर प्रदेश में छठवां स्थान प्राप्त किया है, जो सराहनीय है। उन्होंने प्रेषित पत्र में कहा हैं मैं विभाग की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए आपके उज्जवल भविष्य का आकांक्षी हूं तथा आशा करता हूं कि भविष्य में भी आप इसी परिश्रम एवं समर्पण भाव से कार्य करते हुए विभागीय लक्ष्यों की पूर्ति करते रहेंगे।

पुरातत्व और पर्यटन की दृष्टि से सम्पन्न है दमोह जिला

इन्हें संरक्षित कर पर्यटन के नक्शे पर लाने का प्रयास जारी रहेगा-कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ।

दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर अल सुबल 6:30 बजे जबेरा के ग्राम वंशीपुर ग्राम पहुंचे। उन्होंने पहाड़ पर बने प्राचीन मठ का अवलोकन किया और इसे संरक्षित करने के लिए सबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके उपरांत कलेक्टर कोचर वंशीपुर ग्राम के निकट एक पहाड़ी के किनारे पहुंचें जहां कई साल पहले पत्थरों का एक मजबूत बांध बनाया गया था। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा कि यहां दूर तक दिखाई देते एक से आकार के हजारों पत्थर पुरानी तकनीक का कमाल है जहां नदी किनारे बांध बनाया गया, यहां आकर अच्छा लगा, दमोह जिला पुरातत्व और पर्यटन की दृष्टि से बहुत संपन्न है इसे पर्यटन के नक्शे पर लाने का प्रयास जारी रहेगा। इस दौरान कलेक्टर कोचर ग्रामीणों से भी रूबरू हुए और उनकी समस्याओं को सुना बिजली, सड़क की सुचारू व्यवस्था के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही पानी की बर्बादी पर नाराजगी जताई एवं शौचालय की समुचित व्यवस्था और जन जागरूकता के लिए भी निर्देशित किया। इसके उपरांत श्री कोचर आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचे और दैनिक पंजी, पोस्टर देखने के बाद छात्रों की एवं भोजन की जानकारी ली। गांव के स्कूल एवं अन्य स्थानों पर सुधार के लिए भी निर्देशित किया। तदोपंरात कोचर तांवरी के आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचे। जहां बच्चों की कम संख्या, रजिस्टर में अधूरी जानकारी पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अपने भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री कोचर कलेहरा के निकट मैली के प्राथमिक स्कूल पहुंचे। जहां छोटे बच्चों के साथ समय बिताया, उनसे पढ़ाई के बारे में पूछा और साथ में फोटो भी खिचवाई, बच्चों ने भी कलेक्टर द्वारा पूछे गए प्रश्न के जवाब दिए।

एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत कलेक्टर निवास परिसर में कलेक्टर ने अपने माता-पिता के साथ आम का पौधा किया रोपित

इस दौरान कलेक्टर निवास परिसर में 51 पौधों का हुआ रोपण

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ। दमोह, एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत कलेक्टर निवास परिसर में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने अपने माता-पिता के साथ आम का पौधरोपण किया गया। इस दौरान कलेक्टर निवास परिसर में आम, आंवला, जामुन, नीम, करंज के 51 पौधों का रोपण किया गया। साथ ही उद्यानिकी सहायक संचालक उद्यानिकी यश कुमार सिंह ने भी अपने माता-पिता के नाम आवलां और आम पौधों का रोपण किया। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने बताया इस बार वृक्षारोपण की जो थीम है, जो प्रधानमंत्री जी ने रखी हुई है वह एक पेड़ मां के नाम है, इस थीम पर हमने सभी से आवाहन किया है, कि सभी लोग अपने-अपने घरों में अपने-अपने माता-पिता के साथ वृक्ष लगाए, इसकी शुरुआत करते हुए मैंने भी अपने कलेक्टर बंगले में माता-पिता के साथ वृक्ष लगाया है। उन्होंने सभी से आग्रह करते हुए कहा कि अपने माता-पिता के साथ उपयुक्त स्थान पर वृक्षारोपण करें और यदि आपके माता-पिता जीवित न हो तो उनकी स्मृति में वृक्षारोपण करें। उन्होंने कहा आप सभी इस मानसून के सीजन में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करके उनका संरक्षण करेंगे, यह हमारी कामना है।

राजस्व प्राप्तियों का जिले का लक्ष्य 26 करोड?

सतना कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में बताया कि इस वर्ष राज्य शासन द्वारा सतना जिले में राजस्व प्राप्तियों का लक्ष्य 15 से बढ़ाकर 26 करोड रुपए निर्धारित किया है। पिछले वर्ष निर्धारित लक्ष्य 15 करोड़ के विरुद्ध 13 करोड़ की राजस्व की प्राप्तियां हुई थी। राजस्व अधिकारी राजस्व वसूली पर ध्यान देकर माहवार नियमित रूप से राजस्व वसूली करायें।

सीएसआर मद से आर्थिक मदद देने के लिये औद्योगिक इकाईयां आगे आएँ - कलेक्टर श्रीमती चौहान

जिला स्तरीय कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति की बैठक आयोजित

ग्वालियर

कलेक्टर ने 10 दिन के भीतर कार्यों के प्रस्ताव पोर्टल पर अपलोड करने के दिए निर्देश

स्कूलों व अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं के विकास, पर्यावरण व प्रकृति संरक्षण, महिला सशक्तिकरण तथा समाज हित से संबंधित कार्यों में आर्थिक सहयोग देने के लिये औद्योगिक इकाईयां आगे आएँ। औद्योगिक व व्यवसायिक इकाईयां अपने सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व) मद से इन कामों के लिये आसानी से धनराशि उपलब्ध करा सकती हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिला स्तरीय कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति की बैठक में मौजूद विभिन्न औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधियों से यह बात कही। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने बीते रोज कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सीएसआर पोर्टल पर 10 दिन के भीतर ऐसी परियोजनाओं व कार्यों के प्रस्ताव अपलोड कराएँ जिनके लिये औद्योगिक इकाईयां सीएसआर मद से धनराशि उपलब्ध करा सकती हैं। उन्होंने कहा यदि पोर्टल पर जानकारी अपलोड करने में कोई कठिनाई हो तो एमपीआईडीसी के अधिकारियों से संपर्क किया जा सकता है। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार, मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम के कार्यकारी संचालक श्री प्रतुलचंद सिन्हा, सीजीएम श्री डी के श्रीवास्तव, जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक श्री के एस सोलंकी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर के राजौरिया तथा जेबी मंगाराम, रायरू डिस्टलरी, जयशंकर स्टोन, अरिहंत स्टोन, एमआर इंटरप्राइजेज एवं अन्य औद्योगिक संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद थे। एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक श्री सिन्हा ने बैठक में सीएसआर पोर्टल एवं सेल्फ ऑफ प्रोजेक्ट के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया राज्य शासन के विभाग सीएसआर मद से विभिन्न प्रकार के कार्य करा सकते हैं। इसके लिये औद्योगिक इकाईयों से तभी आर्थिक मदद मिलती है जब वे इस परियोजना के पोर्टल पर अपना प्रस्ताव अपलोड कर देते हैं। इस प्रस्ताव का एमपीआईडीसी द्वारा अनुमोदन किया जाता है। बैठक में विभिन्न औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधियों ने अब तक कराए गए कार्यों की जानकारी प्रदान की। साथ ही भरोसा दिलाया कि वे आगे भी अपनी औद्योगिक इकाई से रचनात्मक व विकासोन्मुखी कार्यों के लिये धन उपलब्ध कराने में पीछे नहीं हटेंगे।

गर्भवती महिलाओं की तीन महीने में प्रथम एएनसी की जांच सुनिश्चित कराएं : कलेक्टर

छतरपुर

एनआरसी में शतप्रतिशत कुपोषित बच्चे भर्ती करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

रंगीन रोटी कैंपेन चलाकर बच्चों के भोजन में मुनगा के पत्तों सहित हरी सब्जियों की मात्रा बढ़ाने के निर्देश

कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्र समय से खोलने और बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के दिए निर्देश

कलेक्टर श्री संदीप जी.आर. की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग की विभागीय एवं बाल संरक्षण समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में डीपीओ श्री राजीव सिंह, सीडीपीयू, डीपीएम, आंगनबाड़ी सुपरवाईजर एवं कार्यकर्ता, एएनएम, एफएमसीएच एवं केईएफ की टीम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री जी.आर. ने समीक्षा करते हुए आंगनबाड़ी सुपरवाईजरों को निर्देश दिए कि एक-एक केन्द्र को गोद लें और मॉडल आंगनबाड़ी के रूप में विकसित करें। उन्होंने कहा शादी होकर गांव में आने वाली महिलाओं का डाटाबेस अपने पास रखने के निर्देश दिए। साथ ही समग्र आईडी को तत्काल अपडेट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने इस संबंध में निकायों के सीएमओ और जनपद सीईओ को निर्देश किए कि अभियान चलाकर समग्र आईडी के अपडेशन तत्काल होने सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा केन्द्रवार गर्भवती महिलाओं के घर विजिट कर उन्हें प्रथम तिमाही में एएनसी जांच कराने की जानकारी देते हुए अन्य योजनाओं के लाभ के बारे में बताएं। साथ ही एएनसी की शतप्रतिशत जांच होना सुनिश्चित हो।

कलेक्टर ने गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को मिलने वाले शासकीय योजनाओं के लाभ को समय से दिए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं जननी सुरक्षा योजना सहित अन्य लाभ समय से हितग्राही महिला को मिलना सुनिश्चित हो। उन्होंने बाल शिशु गृह के व्यवस्थित रूप से संचालन कराने के निर्देश दिए।

शादी होने के बाद तत्काल समग्र आईडी में अपडेशन सुनिश्चित कराने के निर्देश-बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्रों में खेलों की प्रैक्टिस कराने के निर्देश कलेक्टर श्री जी.आर. ने डीपीओ को निर्देशित किया कि सुपरवाईजरों के लिए एक आंगनबाड़ी केन्द्र में मुख्यालय बनाएं। ताकि कार्य और सुलभ हो सके। उन्होंने आंगनबाड़ी की दिनचर्या के बारे बिन्दुवार समीक्षा की। साथ ही केन्द्रों में हो रही बेस्ट प्रैक्टिस के बारे में एक दूसरे से शेयर करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री जी.आर. ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यकर्ता और सहायिका को समय से पहुंचने के निर्देश दिए। साथ ही बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा बच्चों को प्राथमिकता शिक्षा के अलावा विभिन्न खेलों की प्रैक्टिस कराएं। जिससे उनके शिक्षा का स्तर बढ़े। बच्चों को मीनू के अनुसार ही पोषण युक्त भोजन नाश्ता खिलाया जाए। बच्चों के भोजन को रंगीन बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा सब्जी, दाल इत्यादि में मुनगा के पत्तों को अनिवार्य रूप से डाले और रोटी में भी पालक को भी मिलाए। उन्होंने कहा प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्रों में मुनगा के अधिक से अधिक पौधे रोपें। उन्होंने निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केन्द्रों की समीक्षा कर जल्द निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने एनआरसी में कुपोषित बच्चों की शतप्रतिशत भर्ती संख्या बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही सतत निरीक्षण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा बच्चों की भर्ती संख्या कम होने पर संबंधित आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

बेटियों के प्रति माता-पिता को करें जागरूक-आंगनबाड़ी केन्द्रों का सतत् निरीक्षण करने के निर्देश कलेक्टर ने सीडीपीओ को रेण्डमली आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने केन्द्रों स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। साथ ही अनावश्यक सामग्री को कक्षों से अलग करने के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर ने अच्छा कार्य कर रहीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं सीडीपीओ को पुरस्कृत किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ऐसे माता-पिता की प्रशंसा करें। जिन्होंने दो बेटियों को जन्म दिया है। साथ ही बेटियों के प्रति माता पिता को सकारात्मक उद्देश्य से जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में बक्सवाहा सीडीपीओ के अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने एवं एक वेतन वृद्धि रोके जाने के निर्देश दिए।

थिंक टैंक का दावा- ब्रिटेन के आम चुनाव में इस बार बजेगा भारतवंशी उम्मीदवारों का डंका

लंदन: 'ब्रिटिश फ्यूचर थिंक टैंक ने दावा किया है कि इस बार ब्रिटेन के आम चुनाव में भारतवंशी उम्मीदवारों का डंका बजेगा। थिंक टैंक के एक विश्लेषण के अनुसार ब्रिटेन में बृहस्पतिवार को होने वाले आम चुनाव में देश के इतिहास में अब तक की सबसे विविध संसद देखने को मिल सकती है, जिनमें देशभर से भारतीय मूल के सांसदों की अछी-खासी संख्या हो सकती है। थिंक टैंक के अनुसार अगर लेबर पार्टी बहुमत हासिल करती है तो उसमें जातीय अल्पसंख्यक सांसदों की अभी तक की सबसे अधिक संख्या हो सकती है। विश्लेषण में कहा गया है कि इस बार करीब 14 प्रतिशत सांसद जातीय अल्पसंख्यक समुदायों के थे, जबकि नयी संसद में उनकी संख्या अधिक रह सकती है।

ब्रिटिश फ्यूचर के निदेशक सुंदर कटवाला ने कहा, ''इस चुनाव में जातीय अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व में बड़ी वृद्धि दिखेगी और यह अब तक की सबसे विविध संसद होगी।

वर्ष 2019 में हुए पिछले आम चुनाव में भारतीय मूल के 15 सांसद चुने गए थे, जिनमें से कई दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं। उनके अलावा भारतीय मूल के कई लोग पहली बार आम चुनाव लड़ रहे हैं। प्रतिष्ठित ब्रिटिश भारतीयों में से एक कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद आलोक शर्मा और लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेता वीरेंद्र शर्मा इस बार क्रमश- रीडिंग वेस्ट और इलींग साउथल से पुन- चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। इलींग साउथल में बड़ी संख्या में पंजाबी मतदाता हैं। वहां से इस बार दो ब्रिटिश सिख उम्मीदवार संगीत कौर भैल और जगिंदर सिंह निर्दलीयों के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं।

बृहस्पतिवार को होने वाले चुनाव में कुछ प्रमुख ब्रिटिश भारतीय उम्मीदवारों में प्रफुल नार्गुंड शामिल हैं, जो लेबर पार्टी की टिकट पर इस्लिंगटन नॉर्थ से चुनाव लड़ रहे हैं। जस अथवाल लेबर पार्टी के गढ़ इफोर्ड साउथ से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि बैगी शंकर डर्बी साउथ, सतवीर कौर साउथम्पटन टेस्ट और हरप्रीत उप्पल हडर्सफील्ड से चुनाव लड़ रहे हैं। इंदौर में जन्मे राजेश अग्रवाल पहली बार लीसेस्टर ईस्ट से चुनाव लड़ रहे हैं और उनका मुकाबला एक अन्य ब्रिटिश भारतीय एवं कंजर्वेटिव पार्टी की उम्मीदवार शिवानी राजा से है।

भारतीय मूल के मतदाताओं की अछी-खासी तादाद वाले इस निर्वाचन क्षेत्र में मुकाबला दिलचस्प होने की उम्मीद है, क्योंकि गोवा मूल की पूर्व सांसद कीथ वाज भी यहां से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रही हैं। इस बीच, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के उत्तरी इंग्लैंड में रिचमंड और नॉर्थअलर्टन की अपनी सीट बरकरार रखने की उम्मीद है। साथ ही उनके मंत्रिमंडल की पूर्व सहयोगी प्रीति पटेल के एसेक्स में विथम और सुएला ब्रेवरमैन के फारेहैम तथा वाटरलूविले में जीतने की उम्मीद है।

उत्तरी कैलिफोर्निया के जंगल की आग और फैली

हेलीकॉप्टर से डाला जा रहा पानी...हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा

ऑरोविल- उत्तरी कैलिफोर्निया में भीषण गर्मी के बीच जंगल में लगी आग ने बुधवार को आस पास के क्षेत्रों को भी अपनी चपेट में ले लिए जिसके मद्देनजर कम से कम 26,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। दमकल कर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं वहीं आग बुझाने के लिए हेलीकॉप्टर से भी पानी डाला जा रहा है।

सैक्रामेंटो से लगभग 70 मील (110 किलोमीटर) दूर बट काउंटी के ऑरोविल शहर के पास मंगलवार को वन क्षेत्र में सबसे पहले आग लगी, इससे धुएं का विशाल गुबार उठा। ऑरोविल के मेयर डेविड पिटमैन ने बताया कि बुधवार दोपहर तक इस पर कुछ हद तक काबू पा लिया गया,साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि कुछ लोगों को जल्द घर जाने की अनुमति दी जा सकती है। इस बीच बुधवार दोपहर को ऑरोविल से लगभग आठ किलोमीटर दूर दक्षिण में ग्रब्स नामक स्थान पर आग लग गई, जिसके कारण पलेर्मो शहर के लोगों को अपने घरों को खाली करना पड़ा। आग पर अभी तक काबू नहीं पाया जा सका है।

कैलिफोर्निया वन एवं अग्नि सुरक्षा विभाग (कैल फायर) के अनुसार, राय में 12 से अधिक स्थानों पर आग लगी हुई है, हालांकि इनमें से अधिकांश स्थानों पर आग ने विकार रूप धारण नहीं किया है। ऑरोविल में मंगलवार रात आपातकाल की घोषणा की गई थी और लोगों को ठहराने के लिए आश्रय शिविर स्थापित किए गए थे।

मैं डेमोक्रेटिक पार्टी से उम्मीदवार हूं, कोई मुझे इस दौड़ से बाहर नहीं कर रहा: अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन

वाशिंगटन- अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार को कहा कि वह पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी से उम्मीदवार हैं और उन पर दौड़ से पीछे हटने का कोई दबाव नहीं है। बाइडन का बयान मीडिया में हाल में आई उन खबरों के ठीक विपरीत हैं कि पार्टी के अंदर ऐसा मत है कि 'प्रेसिडेंशियल डिबेट में बाइडन का प्रदर्शन रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप के मुकबले निराशाजनक रहा है और उन्हें दौड़ से पीछे हट जाना चाहिए।

बाइडन ने चुनाव के लिए चंदा एकत्र करने संबंधी एक अभियान में बुधवार को कहा, '' मैं डेमोक्रेटिक पार्टी से उम्मीदवार हूं। कोई मुझे बाहर नहीं कर रहा है। मैं नहीं जा रहा , मैं अंत तक इस दौड़ में हूं और हम यह चुनाव जीतने जा रहे हैं। मुझे और उपराष्ट्रपति हैरिस को नवंबर में डोनाल्ड ट्रंप को हराने में मदद के वास्ते चंदा दीजिए। अटलांटा में पिछले बृहस्पतिवार को 'प्रेसिडेंशियल डिबेट में खराब प्रदर्शन के बाद बाइडन की 'रेटिंग गिर गई है और उनके ही पार्टी के नेता उनसे दौड़ से बाहर होने के लिए कह रहे हैं।

अपने समर्थकों को सामूहिक तौर पर लिखे एक ईमेल में उन्होंने कहा, ''देखिए यह अभियान मुझसे या आपसे कहीं बड़ा है। हर वो चीज जिसपर हम विश्वास करते हैं, जिसके लिए हम खड़े हैं और जिसके लिए हम लड़ रहे हैं वह सब इस चुनाव में खतरे में है। उन्होंने कहा, ''अगर मुझे पूरी तरह से यह विश्वास न होता कि मैं वह काम पूरा कर सकता हूं जो कमला और मैंने 20 जनवरी 2021 को शुरू किया था तो मैं फिर से चुनाव नहीं लड़ता। इस टीम के अलावा कोई और टीम नहीं है जिसके साथ मैं संघर्ष में उतरना पंसद करूं। आइए हाथ मिलाएं और यह काम पूरा करें।

पाकिस्तान में कार बम विस्फोट, पूर्व सासंद समेत चार लोगों की मौत

पेशावर: पाकिस्तान के अशांत उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में रिमोट-कंट्रोल के जरिए एक कार में किए गए विस्फोट में पूर्व सांसद और तीन अन्य की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि विस्फोट अफगानिस्तान की सीमा से लगे आदिवासी बहुल जिले मामोंड बाजौर के दामादोला क्षेत्र में हुआ। पुलिस के अनुसार विस्फोट के समय पाकिस्तानी संसद के उच्च सदन सीनेट के पूर्व सदस्य हिदायतुल्ला उपचुनाव में अपने भतीजे नजीबुल्ला खान के प्रचार अभियान के सिलसिले में वहां मौजूद थे। पीके 22 प्रांतीय विधानसभा क्षेत्र में 12 जुलाई को उपचुनाव होना है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और मुख्य सचिव नदीम असलम चौधरी ने विस्फोट की निंदा की है।

राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भी हमले की निंदा करते हुए पूर्व सीनेटर तथा अन्य लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया। समाचार पत्र 'द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार हिदायतुल्ला 2012 से 2018 और फिर 2018 से 2024 तक सीनेट के निर्दलीय सदस्य रहे थे। इसके अलावा वह उच्च सदन की विमानन संबंधी स्थायी समिति के अध्यक्ष और राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी प्राधिकरण (एनएसीटीए) के सदस्य भी रहे थे।

बाइडेन अपने बेटे की देखभाल में व्यस्त जिनपिंग-पुतिन ने मिलाया हाथ

बना रहे दुनिया पर कब्जे करने का प्लान !

इंटरनेशनल डेस्क: एक तरफ जहां अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन वाशिंगटन में अपने बेटे की देखभाल में व्यस्त हैं दूसरी तरफ चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन ने हाथ मिला लिया है और दुनिया पर कब्जे करने का प्लान बना रहे हैं। कज़ाकिस्तान में स्ह्ह शिखर सम्मेलन में मिले पुतिन और शी ने सुरक्षा को मज़बूत करने और अमेरिकी प्रभाव का मुक़ाबला करने के लिए लंबी बातचीत की । शिखर सम्मेलन में तुर्की, पाकिस्तान और मंगोलिया के नेता शामिल हैं वहीं भारत के ने अपने विदेश मंत्री एस जयशंकर को इसमें शामिल होने के लिए भेजा है। क्रेमलिन ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन क्षेत्रीय सुरक्षा और रक्षा वार्ता के लिए बुधवार को कज़ाकिस्तान पहुँचे, साथ ही चीनी और तुर्की नेताओं सहित कई द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। शंघाई सहयोग संगठन जो 2001 में यूरेशिया क्षेत्र में सुरक्षा के संरक्षक के रूप में चीन और रूस द्वारा स्थापित एक मंच है, 3-4 जुलाई को कज़ाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में अपने शिखर सम्मेलन के लिए मिलेंगे। क्रेमलिन ने अपनी वेबसाइट पर एक बयान में कहा, एससीओ सदस्य देशों के नेता संगठन के भीतर बहुआयामी सहयोग को और गहरा करने तथा इसकी गतिविधियों में सुधार लाने के लिए वर्तमान स्थिति और संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। इस बैठक में रूस और चीन का दबदबा रहने की संभावना है, लेकिन अज़रबैजान, बेलारूस, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, कतर, किर्गिस्तान, चीन, मंगोलिया, संयुक्त अरब अमीरात, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, तुर्की और उज्बेकिस्तान के नेताओं या प्रतिनिधियों के भी इसमें शामिल होने की उम्मीद है। रूसी एजेंसियों ने मंगलवार को बताया कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के भी इसमें शामिल होने की उम्मीद है।

रिटायर टीचर के घर पर लाखों की चोरी, चोर ने लिखा माफीनामा

कहा- एक महीने में वापस कर दूंगा सारा सामान

नेशनल डेस्क- तमिलनाडु में एक चोर द्वारा चोरी का अनोखा मामला सामने आया। यहां एक रिटायर शिक्षक के घर में चोरी हुई लेकिन इस बीच दिलचस्प बात यह थी कि चोरी करने आए चोर ने एख माफीनामा बी लिखा। जिसमें चोरी का सामान एक महीने में वापस करने का वादा किया गया। यह दिलचस्प घटना मेगननापुरम के सथानकुलम रोड पर हुई जब सेल्विन और उनकी पत्नी, दोनों सेवानिवृत्त शिक्षक, 17 जून को चेन्नई में अपने बेटे से मिलने के लिए गए थे।

दंपति ने अपनी अनुपस्थिति में समय-समय पर घर की सफाई के लिए एक घरेलू सहायिका सेल्वी को काम पर रखा था। 26 जून को जब नौकरानी सेल्वी, मकान मालिक सेल्विन के घर गई तो मुख्य दरवाजा खुला देखकर चौंक गई। उसने तुरंत सेल्विन को सूचित किया। जब वह अपने घर पहुंचे, तो सेल्विन को पता चला कि उनसे 60,000 रुपये, 12 ग्राम सोने के आभूषण और एक जोड़ी चांदी की पायल लूट ली गई है।

जब पुलिस ने सेल्विन के घर की तलाशी ली, तो उन्हें कथित तौर पर चोर द्वारा छोड़ा गया एक माफी पत्र मिला जिसमें उसने माफी मांगी और एक महीने में चोरी की गई वस्तुओं को वापस करने का वादा किया।

पत्र में कहा गया है, मुझे माफ कर दीजिए। मैं इसे एक महीने में वापस कर दूंगा। अगर मेरे घर में किसी की तबीयत ठीक नहीं है तो मैं ऐसा कर रहा हूं।

मेगननापुरम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसी तरह की एक घटना पिछले साल केरल में सामने आई थी जब तीन साल के बच्चे का सोने का हार चुराने वाले चोर ने माफी पत्र के साथ उसे बेचकर कमाए गए पैसे वापस कर दिए थे। यह घटना पलक्कड़ के पास हुई।

जयशंकर ने चीन के विदेश मंत्री से की मुलाकात, सीमा विवाद मुद्दे पर की बात

इंटरनेशनल डेस्क: विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कजाखिस्तान की राजधानी अस्ताना में बृहस्पतिवार को बातचीत की। भारत और चीन के मध्य पूर्वी लद्दाख में जारी सीमा विवाद के बीच, दोनों देशों के विदेश मंत्री शंघाई सहयोग संगठन के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर मिले और विचारों का आदान प्रदान किया। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच मुख्य बातचीत सीमा विवाद पर केन्द्रित थी। इस दौरान सीमा संबंधी शेष मुद्दों के हल के लिए कूटनीतिक और सैन्य माध्यमों से प्रयासों को दोगुना करने पर सहमति बनी।

भारत का मानना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता दोनों देशों के बीच सामान्य संबंधों के लिए अहम है। बता दें कि पीएम मोदी अगले हफ्ते रूस के दौरे पर जाने वाले हैं। मोदी की रूस यात्रा को लेकर कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है, लेकिन विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि पीएम आठ-नौ जुलाई को रूस और ऑस्ट्रिया जाने की तैयारी में हैं।इससे पहले, जयशंकर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ मुलाकात की थी।

जयशंकर ने इस मुलाकात में रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसे भारतीयों की वतन वापसी का मुद्दा उठाया था। साथ ही पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच अगले हफ्ते मास्को में होने वाली भारत-रूस शिखर बैठक के एजेंडे पर भी बात हुई।जयशंकर ने एक्स पर लिखा, %अस्ताना में विदेश मंत्री लावरोव से मुलाकात हुई। हमारे बीच द्विपक्षीय संबंधों से लेकर समसामयिक वैश्विक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। युद्ध में फंसे भारतीयों की सुरक्षा का मुद्दा मैंने जोरदार तरीके से उठाया है। मैंने उन भारतीयों की सुरक्षित वापसी पर जोर दिया है। दूसरे अन्य मुद्दों पर भी हमारे बीच विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

रियल एस्टेट सेल्समैन ने कार में महिला को नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाई ड्रिंक फिर सुबह इस हालत में छोड़ा....

हैदराबाद- हैदराबाद में एक रियल एस्टेट सेल्समैन और उसके सहयोगी ने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर एक महिला का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। आरोपी जनार्दन और सांगा रेड्डी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है. महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि वह रविवार को मियापुर गई थी, जहां दो लोगों ने उसे यादगिरिगुट्टा में एक साइट का दौरा करने के लिए उठाया। रात को लौटते समय वे एक निर्माणाधीन इमारत पर रुक गए।

उन्होंने उसे बताया, कार ख़राब हो गई थी। इसके बाद दोनों व्यक्तियों ने उसे भोजन की पेशकश की, जिसे उसने अस्वीकार कर दिया। लेकिन अंततः उन्होंने उसे कोल्ड ड्रिंक पीने के लिए मना लिया जिससे उसे चक्कर आने लगा। आशंका है कि ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाया गया था। उन्होंने उसे मिठाई भी दी, लेकिन चक्कर आने लगे। महिला ने आरोप लगाया कि स्थिति का फायदा उठाते हुए, पुरुषों ने कार में उसके कपड़े उतार दिए और सुबह तक उसका यौन उत्पीड़न किया। उसने दावा किया कि उसे पीटा भी गया, जिससे शरीर में गंभीर दर्द हुआ। शिकायत में कहा गया है कि इसके बाद पुरुष उसे मियापुर के एक छात्रावास में छोड़कर भाग गए। पुलिस ने रेप और अन्य आरोपों के तहत मामला दर्ज किया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569